सूविचार

जिन्होंने ख़ुद को बदल दिया, वही दुनिया बदलने का दम रखते हैं।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 100 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 3 रूपये | भोपाल, शनिवार 05 जुलाई 2025 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

मुख्यमंत्री ने किया 94234 विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय के लिए 235 करोड़ रुपए प्रोत्साहन राशि का अंतरण

सबको शिक्षा ही हमारा विकास मंत्र : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शिक्षा मनुष्य के समग्र विकास की धुरी है और 'सबको शिक्षा' ही राज्य सरकार का विकास मंत्र है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के हर बच्चे तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाने के हरसंभव प्रयास किए हैं। केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि प्रतिभावान विद्यार्थियों को नई तकनीक और नई शिक्षा पद्धति से जोड़कर उनके उज्जवल भविष्य की नींव भी रखी जा रही है। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप देकर हम प्रदेश का एक बेहतर और स्वर्णिम भविष्य गढ़ने जा रहे हैं।

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुआ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि अंतरण का राज्य स्तरीय समारोह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में लैपटॉप प्रोत्साहन राशि अंतरण के राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लाने वाले प्रदेश के 94,234 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय करने के लिए 235 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। योजना के तहत लैपटॉप खरीदने के लिए प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को 25-25 हजार रुपये डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए उनके बैंक खातों में सिंगल क्लिक के जरिए हस्तांतरित किये गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगले साल से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के स्थान पर 25 हजार रुपए मूल्य के और अधिक गुणवत्ता वाले अपडेटेड लैपटॉप देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मंच से 15 मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने खुद सेल्फी लेकर सभी बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रतिभाओं को सम्मान देना और स्वर्णिम भविष्य की संभावनों को पोषित करना और हर संभव सहायता करना प्रदेश सरकार का दायित्व है। योजना के अंतर्गत

माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले जिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए राशि दी गई है, उनमें 60 प्रतिशत छात्राएं और 40 प्रतिशत छात्र शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी बेटियां चुनौतियों को पार करते हुए हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। 15 साल पहले शुरू हुई इस योजना का लाभ अब तक 4 लाख 32 हजार से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को मिल चुका है। इस दौरान राज्य सरकार ने विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरण पर 1080 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि खर्च की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब हमारे विद्यार्थी आधुनिक तकनीक से लैस होकर बेहतर तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे। लैपटॉप सिर्फ एक उपकरण नहीं, बल्कि यह सुनहरे भविष्य की तैयारी का सशक्त माध्यम है। नई विधाएं, नए कौशल और नई सोच के साथ हमारे बच्चे अब प्रतिस्पर्धा की दौड़ में और भी आगे बढ़ सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा विद्यार्थियों को कापी-किताबें, गणवेश, सायकिल और स्कूटी भी दिलाई गई है और अब हम लैपटॉप भी दे रहे हैं। यह कदम विद्यार्थियों को डिजिटल एवं आधुनिक शिक्षा से जोड़ने में बेहद मददगार सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार स्कूल शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है और शासकीय स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि इस वर्ष शासकीय स्कूलों में बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट 52 प्रतिशत और निजी स्कूलों में 48 प्रतिशत रहा है। वर्ष 2025 में सरकारी स्कूलों के लगभग 49 हजार और निजी स्कूलों के 44 हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रोत्साहन योजना के तहत लैपटॉप का लाभ मिला है। यह योजना 2009 में शुरू की गई थी, तब 85 प्रतिशत प्राप्तांक की सीमा तय की गई थी और मात्र 500 विद्यार्थियों को लैपटॉप राशि बांटी गई थी, लेकिन आज प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की संख्या 94 हजार 234 हो गई है। राज्य सरकार ने बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने पर हाल ही में 15 हजार 600 मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के लिए स्कूल में मिला पुरस्कार जीवन भर याद रहता है। पुरस्कार स्वरूप पुस्तकें भी दी जानी चाहिए, क्योंकि पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी साथी होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

सावरकर 'मानहानि' मामले में राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। पुणे की एक अदालत ने विनायक दामोदर सावरकर के पौत्र की एक याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। इस याचिका में उन्होंने उस पुस्तक के बारे में जानकारी मांगी थी, जिसका जिक्र कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने स्वतंत्रता सेनानी के बारे में कथित तौर पर मानहानिकारक टिप्पणी करते हुए किया था। सांसदों और विधायकों की विशेष अदालत के न्यायाधीश अमोल शिंदे ने कहा कि कांग्रेस नेता को पुस्तक पेश करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। मामले में शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर ने मई में आवेदन दायर करके दावा किया था कि गांधी जिस पुस्तक का जिक्र कर रहे थे, वैसी कोई पुस्तक है ही नहीं और यदि ऐसी कोई पुस्तक है तो गांधी से उसे पेश करने के लिए कहा जाए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी को मुकदमा शुरू होने से पहले अपने बचाव से जुड़े साक्ष्यों के बारे में बताने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। आदेश में कहा गया है, आरोपी अपने बचाव से जुड़े साक्ष्य प्रस्तुत करने के दौरान कोई भी प्रासंगिक दस्तावेज पेश कर सकता है। यदि आरोपी को समय से पहले ऐसे साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 20(3) के तहत गारंटीकृत उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा।' न्यायाधीश ने कहा, अनुच्छेद 20(3) के अनुसार... किसी भी आरोपी व्यक्ति को अपने ही खिलाफ गवाह बनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। इसलिए, इस न्यायालय की राय है कि आरोपी को उक्त दस्तावेज पेश करने का निर्देश देने वाला आदेश पारित नहीं किया जा सकता।

तेजस्वी यादव की कृपा से पूर्णिया से जीते हैं, पप्पू यादव पर संजय जायसवाल का निशाना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद संजय जायसवाल ने पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वह आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की दया से चुनाव जीते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि पप्पू यादव हमेशा बूथों से बैलेट पेपर लूटकर विधायक बनते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि तेजस्वी यादव की कृपा से वे पूर्णिया से जीते हैं। अगर सबसे बड़े घोटालेबाज लालू यादव के कार्यकाल में मतदाता निरीक्षण के दौरान घोटाले नहीं हुए, तो उन्हें क्यों लगता है कि अब कोई घोटाला होगा? संजय जायसवाल ने दावा किया कि तेजस्वी यादव ने वोटों को डायवर्ट करने के लिए पिछड़े समुदाय से बीमा भारती को मैदान में उतारा और सभी समुदायों के लोगों से पप्पू यादव को वोट देने के लिए कहा। संजय जायसवाल ने एएनआई से कहा, 'तेजस्वी यादव ने जानबूझकर पिछड़े समुदाय की एक लड़की को चुनाव लड़ाया ताकि वोटों को दूसरी तरफ मोड़ा जा सके और सभी समुदायों के लोगों से पप्पू यादव को वोट देने के लिए कहा।'

उन्हें मराठी से नहीं, सिर्फ़ राजनीति से प्यार है... भाषा विवाद के बीच उदित राज का बड़ा बयान

नई दिल्ली। ठाणे में एक दुकान मालिक के साथ मारपीट के वायरल वीडियो पर कांग्रेस नेता उदित राज ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मराठी से प्यार नहीं है, उन्हें सिर्फ़ राजनीति से प्यार है। पता लगाइए कि उनके बच्चे किस माध्यम से पढ़ रहे हैं। आदित्य ठाकरे जैसे लोगों ने भाषाई भेदभाव पर अपना साम्राज्य खड़ा किया है। यह आज की बात नहीं है कि वे उत्तर भारतीयों और हिंदी भाषियों को भगाने की बात कह रहे हैं। वे सालों से ऐसा कहते आ रहे हैं। लेकिन अगर हम देखें तो क्या उनके बच्चे मराठी माध्यम के स्कूलों में जा रहे हैं? वे सिर्फ़ राजनीतिक लाभ के लिए भावनाओं का दोहन कर रहे हैं। दूसरी ओर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) से कथित रूप से जुड़े लोगों के एक समूह द्वारा मीरा रोड में एक दुकानदार पर मराठी न बोलने के कारण हमला करने के कुछ दिनों बाद, राज्य के मंत्री नितेश राणे ने उन्हें चुनौती दी कि वे साहस दिखाएं और नल बाज़ार और मोहम्मद अली रोड जैसे इलाकों में जाएं और वहां लोगों से मराठी बोलने के लिए कहें।

थप्पड़ कांड पर सीएम फडणवीस का साफ संदेश, किया सख्त कानूनी कार्रवाई का वादा

मराठी के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के सदस्यों द्वारा ठाणे में एक दुकानदार पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना को भाषा के नाम पर गुंडागर्दी का मामला बताया और सख्त कानूनी कार्रवाई का वादा किया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा पर गर्व करना गलत नहीं है। लेकिन अगर कोई भाषा के कारण गुंडागर्दी करता है, तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर कोई भाषा के आधार पर लोगों की पिटाई करता है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फडणवीस ने पुष्टि की कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की है तथा ऐसी घटनाएं दोबारा होने पर सख्त परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी मराठी पर गर्व है, लेकिन भारत की किसी भी भाषा के साथ इस तरह से अन्याय नहीं किया जा सकता, यह हमें ध्यान में रखना होगा।

तारीफ में जमकर पढ़े कसीदे

प्रधानमंत्री कमला ने स्वागत भाषण में पढ़ी पीएम मोदी की कविता

पोर्ट ऑफ स्पेन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी यात्रा के दूसरे चरण में त्रिनिदाद एंड टोबैगो पहुंचे। उन्होंने यहां त्रिनिदाद एंड टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर से मुलाकात की। इस दौरान एक खास पल भी आया, जब पीएम कमला ने पीएम मोदी की किताब आंख आ धन्य छे में प्रकाशित एक कविता का जिक्र किया। कमला ने इस कविता के जरिए भारत और कैरेबियाई देश के बीच स्थायी रिश्ते को दर्शाया। उन्होंने पीएम मोदी के भारतीय प्रवासियों के साथ गहरे भावनात्मक संबंधों को बयां करने का प्रयास किया। 'आंख आ धन्य छे' में कविता गुजराती भाषा में लिखी है। इसमें लिखा है- मेरे मन की गहराइयों में, मैं अतीत में बहुत दूर जाता हूं। हर पल एक याद बनकर खुलता है, मेरी स्मृतियां आसानी से लौट आती हैं। हर चेहरा आसानी से पहचाना जाता है, कुछ भी छिपा नहीं रहता, क्योंकि सत्य साफ दिखाई देता है। हमारे उन साथियों के लिए, जिनके साथ हमने

कष्ट सहे। वे कभी भुलाए नहीं जाते, एक साथ सहे उन कष्टों को अंत में वे ही यात्रा बन जाते हैं। अपने संबोधन में उन्होंने पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने पीएम मोदी के दौरे को गहरा सम्मान और साझा इतिहास का क्षण बताया। उन्होंने कहा, हमें एक ऐसे व्यक्ति की उपस्थिति का सौभाग्य प्राप्त है, जो हमारे लिए बहुत प्रिय है। यह दौरा सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है।

आमिर खान और जावेद अख्तर क्या मराठी बोलते हैं? हिंदी पर घमासान के बीच नितेश राणे का बयान

नई दिल्ली। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) से कथित रूप से जुड़े लोगों के एक समूह द्वारा मीरा रोड में एक दुकानदार पर मराठी न बोलने के कारण हमला करने के कुछ दिनों बाद, राज्य के मंत्री नितेश राणे ने उन्हें चुनौती दी कि वे साहस दिखाएं और नल बाज़ार और मोहम्मद अली रोड जैसे इलाकों में जाएं और वहां लोगों से मराठी बोलने के लिए कहें। घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राणे ने सवाल किया कि मराठी न बोलने वाली मशहूर हस्तियों को कभी निशाना क्यों नहीं बनाया जाता। नितेश राणे ने कहा कि एक हिंदू को मराठी न बोलने पर पीटा गया। अगर उनमें हिम्मत है, तो नल बाज़ार, मोहम्मद अली रोड पर जाएं और वहां लोगों से मराठी बोलने को कहें। उनमें इतनी हिम्मत नहीं है कि वे वहां जाकर टोपी पहनने वालों को पीटें। क्या जावेद अख्तर और आमिर खान मराठी बोलते हैं? एक गरीब हिंदू को क्यों पीटा जा रहा है?

श्रीकृष्ण जन्म भूमि मामले में हिंदू पक्ष को बड़ा झटका,

शाही ईदगाह को विवादित ढांचा बताने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कृष्ण जन्मभूमि मामले में भविष्य की सभी कार्यवाहियों में शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित संरचना के रूप में संदर्भित करने के लिए हिंदू पक्ष द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित संरचना घोषित करने के हिंदू पक्ष के अनुरोध पर अपना फैसला सुनाया। यह अनुरोध करने वाले आवेदन ए-44 को खारिज कर दिया गया। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अगुवाई वाली पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि आवेदन को इस स्तर पर खारिज किया जा रहा है। सूट नंबर 13 में याचिकाकर्ता, एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने शाही मस्जिद को विवादित संरचना घोषित करने के लिए प्रार्थना प्रस्तुत की थी। आवेदन ए-44 के माध्यम से याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अदालत के स्टेनोग्राफर को मूल मामले में भविष्य की सभी कार्यवाही के दौरान शाही ईदगाह मस्जिद के बजाय विवादित संरचना शब्द का उपयोग करने का निर्देश दे।

ऑपरेशन सिंदूर स्वराज की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के सशस्त्र बल और नेतृत्व स्वराज या देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बहुत अच्छे ढंग से प्रदर्शित हुआ। पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में मराठा राजनेता और जनरल पेशवा बाजीराव प्रथम की घुड़सवार प्रतिमा के अनावरण के बाद बोलते हुए, भाजपा नेता ने यह भी कहा कि जब भी वह नकारात्मक विचारों से ग्रस्त होते हैं, तो उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज और बाजीराव की याद आती है।

शाह ने कहा कि एनडीए बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है क्योंकि यह एक ऐसा संस्थान है जहां सैन्य नेतृत्व को प्रशिक्षित किया जाता है। शाह ने कहा कि पुणे की धरती स्वराज के संस्कार का उद्गम स्थान है। 17वीं शताब्दी में यहीं से स्वराज का आलेख देशभर में पहुंचा। जब अंग्रेजों के सामने फिर से स्वराज के लिए लड़ने का समय आया तो सबसे पहले सिंह गर्जना तिलक महाराज ने की ङ्क %स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।% एक व्यक्ति अपने जीवन में अपने देश के लिए कितना कर सकता है, इसका उदाहरण भी महाराष्ट्र की पुण्यभूमि से ही वीर सावरकर जी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुख जहाँ से अभ्यास करके निकलते हैं, उस नेशनल डिफेंस अकादमी में श्रीमंत बाजीराव की मूर्ति लगने से जो प्रेरणा मिलेगी, उससे भारत की सीमाओं को कोई छू नहीं पाएगा। शाह ने कहा कि युद्ध की कला के कुछ नियम कभी कालबाह्य नहीं होते...युद्ध में व्यूह रचना का महत्त्व, त्वरा का महत्त्व, समर्पण का भाव, देशभक्ति का भाव और बलिदान का भाव...यही सेनाओं को विजय दिलाते हैं, बस हथियार बदलते रहते हैं...और इन सभी गुणों का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण 500 वर्षों के भारतीय इतिहास में केवल श्रीमंत बाजीराव पेशवा में ही मिलता है। अमित शाह ने कहा कि जब पूरा दक्षिण भारत आदिलशाही, कुतुबशाही, निजामशाही और इमादशाही से पीड़ित था और उत्तर भारत मुगलों के अधीन था... ऐसे समय में एक 12 साल के बालक ने देश को स्वतंत्र कराने और हिन्दवी स्वराज की स्थापना का संकल्प लिया... शिवाजी महाराज जी की यह वीरता अकल्पनीय है।

बारिश

हिमाचल में 400 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान

भारी बारिश के कारण 63 लोगों की मौत

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण अब तक 63 लोगों की मौत हो गई है और 40 लापता हैं, जबकि 400 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। लाइवमिंट वेब साइट के अनुसारा ये आंकड़े जारी किए गये हैं। भारतीय मौसम विभाग ने 7 जुलाई तक बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसमें पहाड़ी राज्य में लगातार भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मंडी जिले का थुनाग उप-मंडल अब तक सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां सड़कें अवरुद्ध हैं और बिजली और पानी की आपूर्ति जैसी

आवश्यक सेवाएं प्रभावित हुई हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राजस्व विभाग के विशेष सचिव डीसी राणा ने कहा, हमने अब तक 400 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान दर्ज किया है। लेकिन वास्तविक नुकसान इससे कहीं अधिक होने की संभावना है। फिलहाल हमारा मुख्य ध्यान खोज, बचाव और बहाली पर है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा राज्य में बादल फटने और बारिश से जुड़ी अन्य आपदाओं के कारण 63 लोग मारे गए, 40 लापता हैं। आपदाओं में 150 से अधिक घर, 106 मवेशी शेड, 31 वाहन, 14 पुल और कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) ने कहा कि कुल 164 मवेशी मारे गए, जबकि 402 लोगों को बचाया गया, जिनमें से 348 मंडी में थे, और पांच राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। अकेले मंडी में, 40 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार को मंडी में बादल फटने और अचानक बाढ़ से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या 14 हो गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी प्रियांशी को दी शाबाशी वियतनाम में जीता गोल्ड मेडल

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरुवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में उज्जैन की बिटिया, अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी कु. प्रियांशी प्रजापति ने भेंट की। उल्लेखनीय है कि हाल ही में वियतनाम में सम्पन्न एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में प्रियांशी ने अंडर- 23 श्रेणी में गोल्ड मैडल प्राप्त कर मध्यप्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रतिभाशाली बिटिया प्रियांशी को इस उपलब्धि के लिए शाबाशी और बधाई देते हुए कहा कि कु. प्रियांशी प्रजापति को 2 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार खेलों के विकास और खिलाड़ियों को पूरा प्रोत्साहन देने का कार्य कर रही है। इस क्रम में पूर्व में भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि के साथ ही विभिन्न सेवाओं में लेने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के उत्कृष्ट और राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले और पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सदैव इसी तरह प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर श्री रवि सोलंकी, मप्र कुश्ती संघ के सह सचिव श्री विजय चौधरी, उज्जैन जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष श्री उमेश ठाकुर , सचिव श्री सुरेंद्र यादव, उपाध्यक्ष श्री मुकेश प्रजापति और श्री सावन बजाज उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को अनेक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रियांशी का स्वागत किया। भोपाल के अलावा उज्जैन में भी प्रियांशी के स्वागत के लिए सभी लालायित हैं। जहां जिला प्रशासन उज्जैन, खेल विभाग एवं कुश्ती प्रेमियों ने भी प्रियांशी को बधाई दी है, वहीं खेल जगत में मध्यप्रदेश की खिलाड़ी की उपलब्धि से प्रसन्नता का वातावरण है। प्रियांशी को 11 वर्ष की उम्र से ही कुश्ती का शौक रहा है। प्रियांशी की बड़ी बहन नुपुर भी कुश्ती की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रही हैं। प्रियांशी ने विभिन्न स्पर्धाओं में पहले भी मैडल प्राप्त किए हैं। इनमें वर्ष 2018 में अंडर-15 श्रेणी में जापान में चौथा स्थान, वर्ष 2020 में सीनियर फेडरेशन कप पंजाब में गोल्ड मैडल, वर्ष 2022 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप बुल्गारिया में तीसरा स्थान, वर्ष 2023 जूनियर वर्ग में ही में जॉर्डन एशियाई चैंपियनशिप में तीसरा स्थान और वर्ष 2025 में सीनियर वर्ग में एशियाई चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त कर मध्यप्रदेश एवं राष्ट्र का नाम गौरवान्वित किया है। प्रियांशी आगामी 29 जुलाई को तुर्की में आयोजित होने वाली 53 किलो वर्ग में रैंकिंग सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेने जाएंगी और भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रियांशी अपने पिता रेसलर श्री मुकेश बाबूलाल प्रजापति के मार्गदर्शन को अपनी सफलता का श्रेय देती हैं।

मप्र जन अभियान परिषद का स्थापना दिवस आज

भोपाल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद का स्थापना दिवस 4 जुलाई 2025 को संगच्छध्वम् संवदध्वम् की भावना से स्वैच्छिक पर्व के रूप में संपूर्ण प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर मनाया जायेगा। मुख्य आयोजन परिषद के राज्य कार्यालय श्यामला हिल्स पर होगा। स्वैच्छिक पर्व पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन, परिषद द्वारा बनाई गई लघु फिल्मों का प्रदर्शन और स्वेच्छिकता शपथ के साथ स्वैच्छिकता के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं का सम्मान होगा।

समाज को समर्पित संस्थान है जन अभियान : नपाध्यक्ष

जन अभियान का मना स्थापना दिवस, उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानित

श्योपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में स्वैच्छिकता पर्व का आयोजन जिला पंचायत सभागार में किया गया, जिसमें मुख्य रूप से नपाध्यक्ष श्रीमती रेणू सुजीत गर्ग मौजूद रही वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता संभाग समन्वयक श्री धर्मेन्द्र सिंह सिसौदिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिपं परियोजना अधिकारी श्रीमति राजेश शर्मा एवं डीपीएम एनआरएलएम श्री सोहनकृष्ण मुदगल, श्री आदित्य चौहान मौजूद रहे।

कार्यक्रम में सर्व प्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की गई, जिसमें स्वागत भाषण ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू सिंह गौतम ने दिया। उन्होने परिषद की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए जन अभियान के कार्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान मुख्यमंत्री जी एवं उपमुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन किया गया एवं परिषद द्वारा तैयार की गई लघुकथा का अनुश्रवण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नपाध्यक्ष श्रीमती रेणू सुजीत गर्ग ने कहा कि जन अभियान परिषद प्रदेश की योजनाओं का प्रचार प्रसार करने में अहम भूमिका निभाती है, साथ ही जन सहयोग से जन कल्याण के कार्यों का क्रियान्वयन समुदाय के साथ मिलकर करती है, जिससे समाज का कल्याण होता है, बीते दिनो जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य किया गया, जो कि सराहनीय है। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संभाग समन्वयक श्री धर्मेन्द्र सिंह सिसौदिया ने कहा कि जन अभियान परिषद के गठन को आज अठ्ठाईस वर्ष पूर्ण हो गए हैं इन वर्षो में परिषद ने कई आयाम छुए हैं। ग्राम विकास की नई अवधारणा सृजित की है। सही मायने में सेवा, समर्पण और संकल्प के ही ये वर्ष रहे हैं। इस दौरान जन अभियान परिषद ने निरंतर ग्राम विकास के लक्ष्यों को पूर्ण किया है। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वैच्छिक संगठन, नवांकुर, प्रस्फुटन एवं एमएसडब्लू और बीएसडब्लयू के छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। अंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन नवांकुर प्रतिनिधि श्री गिर्राज शर्मा एवं आभार ब्लॉक समन्वयक श्रीमती शाहीन परवीन ने किया। कार्यक्रम में श्री राजा खान, श्री प्रमोद तिवारी, श्री सुधाकर पचोरी, श्री गणेश पाराशर, श्री अविनाश माहौर सहित बडी संख्या में परिषद से जुड़े स्वयंसेवी संगठनो के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अधिकारियों ने स्वयं आयरन टेबलेट खाकर बच्चों को किया प्रेरित

श्योपुर। इस अवसर पर सीमएचओ डॉ दिलीप सिकरवार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ मुकेश मीणा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. हेमंत रावत, डीसीएम श्री अमित श्रीवास, बीसीएम करहल श्री नवीन यादव, प्रधानाध्यापक श्री महावीर गुप्ता, शिक्षक श्री दिनेश कुमार गौतम, स्थानीय आशा कार्यकर्ता, विद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमएचओ डॉ. सिकरवार ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य की सही शुरुआत विद्यालयों से होती है और ऐसी गतिविधियाँ बच्चों को न केवल जागरूक बनाती हैं बल्कि उनमें अच्छे स्वास्थ्य के प्रति रुचि भी पैदा करती हैं। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि आगामी दिनों में विद्यालय परिसर में एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें बच्चों का हीमोग्लोबिन परीक्षण एवं अन्य स्वास्थ्य जांच और उपचार की व्यवस्था की जाएगी। उन्होने बच्चों को एनीमिया के कारण, लक्षण, बचाव एवं पोषण की भूमिका के बारे में जागरूक किया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. हेमंत सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि नीली गोली केवल एक पूरक नहीं बल्कि शरीर के विकास, मानसिक सतर्कता और भविष्य की मजबूती का आधार है। इस गोली का सेवन प्रत्येक मंगलवार को भोजन के एक घंटे बाद कराया जाता है, जिससे शरीर में आयरन का अवशोषण बेहतर तरीके से हो सके। उन्होंने सभी बच्चों को नियमित रूप से गोली लेने और संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी। टीकाकरण अधिकारी डॉ. मुकेश मीणा ने कहा कि बच्चों में एनीमिया की रोकथाम के लिए पोषण और समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का समावेश ज़रूरी है।

प्रदेश में 3800 करोड़ रुपए के निवेश से फ्रोजन आलू उत्पाद इकाई का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले मैकेन फूड्स के पदाधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्योग और रोजगार वर्ष 2025 औद्योगिक विकास की तीव्र संभावनाओं को साकार करने का वर्ष है। राज्य सरकार के प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर निवेश प्रस्ताव मिल रहे हैं। निवेशकों को औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि सहित नीतियों के अंतर्गत सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में मैकेन फूड्स के रीजनल प्रेसिडेंट पियरे डैनेट एवं प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों से चर्चा कर रहे थे। मैकेन फूड्स के श्री पियरे डैनेट ने बताया कि मध्यप्रदेश में किसानों को कांट्रेक्ट फार्मिंग के माध्यम से स्थायी बाजार बेहतर मूल्य और उन्नत कृषि तकनीक का लाभ दिलवाने के लिए 3800 करोड़ रुपए निवेश का प्रस्ताव दिया गया है। प्रथम चरण में 1800 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और इस निवेश के फलस्वरूप 6300 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। वैश्विक कंपनी मैकेन फूड्स भारत में मुख्य रूप से फ्रोजन आलू उत्पादों जैसे फ्रेंच फाइज, आलू टिक्की और स्नैक आइटम बनाती है। कनाडा में स्थापित यह कंपनी भारत में वर्ष 2007 से खाद्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्तमान में गुजरात के मेहसाणा में कंपनी किसानों से आलू खरीद कर अत्याधुनिक उत्पादन इकाई के माध्यम से विभिन्न खाद्य उत्पाद निर्मित कर रही है। चर्चा के दौरान प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन राघवेन्द्र कुमार सिंह और आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े उपस्थित थे।

पुरस्कृत होंगे वन विभाग के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश वन विभाग के वन्य जीव संरक्षण प्रयासों और उसमें प्राप्त हो रही सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन विभाग में रहकर उत्कृष्ट कार्य और बहुआयामी प्रयास करने वाले अधिकारियों और अन्य अमले को पुरस्कृत किया जाएगा। हाल ही में स्टेट टाइगर फोर्स के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों-कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों में सफलता का एक महत्वपूर्ण आयाम जुड़ा है। स्टेट टाइगर फोर्स ने न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर के विरूद्ध की गई सटीक विवेचना की बल्कि न्यायालय के स्तर पर भी ठोस पक्ष रखने का कार्य किया, जिसके फलस्वरूप आरोपित व्यक्ति ताशी शेरपा को 5 वर्ष की सजा सुनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान सघन और पर्यावरण हितैषी वन क्षेत्र और भारत की समृद्ध जैव विविधता के प्रतीक विभिन्न वन्य प्राणी हैं। मध्यप्रदेश वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी गंभीरता और परिश्रमपूर्वक प्रदेश की वन और वन्यप्राणी सम्पदा के संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। स्टेट टाइगर फोर्स जहां भारत सरकार के निर्देश पर वन्य जीवों की तस्करी की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, वहीं आरोपित व्यक्तियों को सजा दिलवाने का लक्ष्य भी पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंटरपोल मुख्यालय ल्योन, फ्रांस से जारी पत्र में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स को अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा के सफलतापूर्वक अभियोजन को पूरा करते हुए सजा दिलवाने के लिए बधाई दी है। स्टेट टाइगर फोर्स की कार्यवाही से अंतर्राज्यीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह बेनकाब हुए हैं। जिन गिरोहों के अपराधी भारत सहित नेपाल, भूटान और चीन तक वन्य जीवों की तस्करी में लिप्त रहते हैं, उन पर नजर रखते हुए टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक ढंग से विवेचना का कार्य किया है।

पौधरोपण में आमजनों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाय: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रीवा शहर में एक लाख पौधे लगाये जायेंगे, पौधरोपण की तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में वृहद वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि रीवा को हराभरा बनाने के लिये चयनित स्थलों में एक लाख पौधे लगाये जायेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वृक्षारोपण से पूर्व की सभी तैयारियाँ पूर्ण करने तथा आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि चयनित किये गये स्थलों में व्यापक पैमाने पर छायादार, फलदार औषधीय पौधों का वृक्षारोपण करते हुए सड़क के किनारे वृक्षारोपण करें तथा ही पूर्व के रोपित पौधों के रिक्त भूमि में भी वृक्षारोपण कर गैप फिलिंग करें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि व्यापक पैमाने पर किये गये वृक्षारोपण से पर्यावरण संतुलित होगा तथा सड़क के किनारे किये गये वृक्षारोपण से शहर की सुंदरता बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वृक्षारोपण सामाजिक दायित्व के साथ पुण्य का भी कार्य है। इससे आमजनों, व्यापारी संगठनों, स्वयंसेवी संगठनों सहित अन्य लोगों को भी जोड़े। उन्होंने रोपित पौधों की पूर्ण सुरक्षा के इंतजाम किये जाने के भी निर्देश दिये। बताया गया कि पशु चिकित्सा महाविद्यालय में 40 हजार, लक्ष्मणबाग की भूमि में 20 हजार, पीटीएस एवं इंजीनियरिंग कालेज कैम्पस में 15-15 हजार तथा रतहरा कैनाल ट्रैक में दस हजार वृक्षारोपण की कार्ययोजना बनाई गयी है। इसके साथ ही शहर की सड़कों के किनारे भी वृक्षारोपण किया जायेगा। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल, कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने माँ शारदा के किए दर्शन: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मैहर के अल्पप्रवास के दौरान त्रिकूट पर्वत पर विराजी माँ शारदा के दर्शन कर विधिवत पूजन, अर्चन किया और प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि व आरोग्य की मंगलकामना की।

उप मुख्यमंत्री श्रीमद्भागवत कथा में हुए शामिल गोमाता की सेवा और पूजा-अर्चना की

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल लक्ष्मणबाग, रीवा में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने कथा का श्रवण किया और कथा व्यास पंडित श्री बाला व्यंकटेश शास्त्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने लक्ष्मणबाग गौशाला में गौवंशों को फल खिलाकर गौ सेवा की तथा मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

इंदौर का बीआरटीएस हट नहीं पाया, लोग खुद बस लेन में ले जाने लगे वाहन

भोपाल। इंदौर नगर निगम बीआरटीएस को हटाने के काम शुरू नहीं कर पाया। चार माह पहले दिखावे के लिए 400 मीटर में रैलिंग हटाए गए थे। अब नगर निगम इस कॉरिडोर को तोड़ने के लिए तीसरी बार टेंडर निकाल रहा है, क्योंकि पहले दो बार कोई ठेकेदार आगे नहीं आया था। देश के पहले बीआरटीएस प्रोजेक्ट की बस लेन में अब मिक्स लेन ट्रैफिक चलने लगा है। चार माह पहले इसे हटाने का फैसला सरकार ने लिया, लेकिन टेंडर मंजूर नहीं होने के चक्कर में निगम इसे हटा नहीं पा रहा है। इसके बाद शहरवासियों का सब्र जवाब दे गया और उन्होंने खुद ही बस लेन का उपयोग वाहनों के लिए शुरू कर दिया। अब बस लेन में सिटी बसों के साथ मिक्स ट्रैफिक भी नजर आ रहा है। बस लेन का सबसे ज्यादा उपयोग एलआईजी से गीताभवन के बीच हो रहा है,क्योंकि यहां मोटर व्हीकल लेन संकरी है। नगर निगम बीआरटीएस को हटाने के काम शुरू नहीं कर पाया। चार माह पहले दिखावे के लिए 400 मीटर में रैलिंग हटाए गए थे। अब नगर निगम इस कॉरिडोर को तोड़ने के लिए तीसरी बार टेंडर निकाल रहा है, क्योंकि पहले दो बार कोई ठेकेदार आगे नहीं आया था। सुबह और शाम के समय बीआरटीएस पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। इस कारण अब वाहन चालक ही बस लेन का उपयोग करने लगे है।

नीति आयोग और जीआईजेड इंडिया की संयुक्त कार्यशाला संपन्न

निजी क्षेत्र की सहभागिता से सतत विकास की रफ्तार तेज करेगा मध्यप्रदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋषि गर्ग ने कहा है कि सतत विकास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और आमजन की साझेदारी अनिवार्य है। उन्होंने 'विकसित मध्यप्रदेश @2047' दृष्टिपत्र की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि राज्य सरकार की रणनीति किस प्रकार सतत विकास लक्ष्यों के साथ सुसंगत है। श्री गर्ग प्राइवेट सेक्टर एंगेजमेंट इन एसीलेरेटिंग एसडीजी इंप्लीमेंटेशन इन मध्यप्रदेश विषय पर गुरूवार को भोपाल में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और जीआईजेड इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई। यह कार्यशाला इंडो-जर्मन ग्रीन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट पार्टनरशिप (जीएसडीपी) परियोजना के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों (एडीजीएस) को स्थानीय स्तर पर तेजी से लागू करना, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और राज्य की विकास योजनाओं को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से जोड़ना था।

जीआईजेड इंडिया की परियोजना प्रमुख सुश्री हेनरीके पाईशर्ट ने इंडो-जर्मन सहयोग की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीआईजेड राज्य सरकार को योजना निर्माण, क्षमता संवर्धन, सहभागिता और निगरानी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहा है। उद्घाटन सत्र में यूएनडीपी की रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव सुश्री एंजेला लुसीगी ने वैश्विक एसडीजी प्रगति की स्थिति पर चिंता जताते हुए बताया कि वर्तमान में मात्र 12त्न लक्ष्य ही ट्रैक पर हैं। उन्होंने भारत और विशेष रूप से मध्यप्रदेश की प्रशंसा की, जहां गरीबी उन्मूलन, स्वच्छ ऊर्जा और जल सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एमपीएसआरएलएम) की सीईओ सुश्री हर्षिका सिंह ने 'लखपति दीदी' योजना सहित अन्य नवाचारों की जानकारी दी, जो निजी क्षेत्र के साथ संभावित सहयोग के नए अवसर खोलते हैं, विशेषकर जलवायु-अनुरूप कृषि, वेस्ट मैनेजमेंट और कार्बन क्रेडिट जैसे क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि हासिल की है।

इस अवसर पर इंडो-जर्मन जीएसडीपी परियोजना का औपचारिक शुभारंभ भी किया गया। नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार श्री राजीब कुमार सेन ने एसडीजी इंडिया इंडेक्स, बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमडीपीआई), और राष्ट्रीय संकेतक फ्रेमवर्क पर विस्तृत जानकारी दी। राज्य पर केंद्रित सत्र में श्री ऋषि गर्ग ने बताया कि 'विकसित मध्यप्रदेश @2047' के तहत राज्य की योजना में 22 प्रमुख मिशन और 300 से ज्यादा एक्शन पॉइंट्स शामिल हैं, जिनमें से 200 से अधिक लक्ष्यों को आगामी पांच वर्षों में पूरा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि पंचायत स्तर पर 22 हजार 519 ग्राम पंचायतों को 9 विषयों पर प्रशिक्षित किया गया है।

मेपकास्ट की गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला में हुआ इंटर्नशिप सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) की गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला द्वारा जून माह में ÷हेण्ड ऑन ट्रेनिंग ऑन स्पेक्ट्रॉसकॉपी मेथड (एएएस, यूवी एण्ड एफटीआईआर) विषय पर इंटर्नशिप सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मंदसौर यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग के बी.फार्मा अंतिम वर्ष के 30 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पेयजल गुणवत्ता परीक्षण की विधियों के साथ-साथ यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एटॉमिक अब्सॉर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा एफटीआईआर जैसे अत्याधुनिक उपकरणों पर सैद्धांतिक और प्रायोगिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों ने उपकरणों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और नवाचार की बारीकियों को समझा। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए राज्य लघु वनोपज, बरखेड़ा पठानी, भोपाल ले जाया गया। प्रशिक्षण के समापन पर परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने फार्मेसी क्षेत्र में उभरते आयामों पर प्रकाश डाला और आधुनिक तकनीकी से निरंतर जुड़े रहने की सलाह दी। उन्होंने प्रशिक्षण पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये। इस अवसर पर परिषद के कार्यकारी संचालक डॉ. विवेक कटारे, गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला के प्रभारी सहित प्रयोगशाला का संपूर्ण अमला उपस्थित रहा।

7 सरकारी 11 निजी आयुर्वेद कॉलेजों को मिली मान्यता

16 कॉलेजों की मान्यता पर निर्णय होना बाकी

भोपाल

केंद्रीय आयुष मंत्रालय और नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन नई दिल्ली ने सत्र 2025-26 के लिए मध्यप्रदेश के 18 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों को मान्यता दी है। इनमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, इंदौर और बुरहानपुर के 7 शासकीय आयुर्वेद कॉलेज और 11 निजी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। हृष्टढ्ढस्रूने देश में दूसरे नंबर पर मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा आयुर्वेद कॉलेजों को मान्यता दी है। हालांकि, प्रदेश के 16 अन्य कॉलेजों सहित देशभर के 482 आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता पर निर्णय होना बाकी है।

भोपाल के कॉलेजों की सीटें

भोपाल के पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद कॉलेज को 75 यूजी और 74 पीजी सीटें मिली हैं। वहीं, भोपाल के स्कूल ऑफ आयुर्वेद साइंस, सरदार अजीत सिंह स्मृति आयुर्वेद कॉलेज, रामकृष्ण कॉलेज ऑफ आयुर्वेद और मानसरोवर आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज को 100-100 यूजी सीटों पर मान्यता दी गई है।

प्रदेश में यूजी की लगभग 3000 सीटें

आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश सहित देशभर के सभी आयुर्वेद कॉलेजों में प्रवेश नीट 2025-26 के परिणामों के आधार पर ही होंगे। मध्यप्रदेश में यूजी की लगभग 3000 सीटों सहित देशभर के 598 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों में 42 हजार से अधिक सीटें हैं। पाण्डेय ने बताया कि मध्यप्रदेश के अलावा, देशभर में जिन राज्यों के कॉलेजों को मान्यता मिली है, उनमें असम का 1, छत्तीसगढ़ 3, गुजरात 3, हरियाणा 2, हिमाचल 1, कर्नाटक 13, केरल 1, महाराष्ट्र 33, ओडिशा 4, पांडिचेरी 1, पंजाब 4, तेलंगाना 1, उत्तर प्रदेश 23, उत्तराखंड 7 और पश्चिम बंगाल का 1 कॉलेज शामिल है।

शेष कॉलेजों की मान्यता पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील

आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने केंद्रीय आयुष मंत्रालय और हृष्टढ्ढस्रूसे शेष कॉलेजों की मान्यता पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। जिससे नीट आयुष काउंसलिंग समय पर शुरू हो सकें और छात्रों को असुविधा न हो।

11 लठ्टे सागौन पिकअप वाहन सहित जप्त बनाए गए छह आरोपी

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा वन परिक्षेत्र अंतर्गत वन परीक्षेत्रअधिकारी रामानंद कश्तवार एवं गस्ती दल ने रात्रि में मुखवीरकी खबर पर अमरवाड़ा सेजा दुलारा मार्ग में एक पिकअप वाहन को अवैध रूप से कीमती सागवान लाते हुए धरदबोचा प्रकरण इस प्रकार बताया जाता है किमुख्य वन संरक्षक छिंदवाड़ा, मधु व्ही राज वनमण्डलाधिकारी एल के वासनिक वन मंडल अधिकारी उप वन मंडलाधिकारी अमरवाड़ा सिद्धार्थ दीपांकर जी के मार्ग दर्शन एवं परिक्षेत्राधिकारी रामानंद कस्तवार नेतृत्व वन परिक्षेत्र अमरवाड़ा के गस्ती दल के द्वारा मध्यरात्रि मुखबिर की सूचना पर ग्राम सेजा दुलारा मार्ग पर बोरी माल में एक चौपहिया वाहन महिंद्रा पिकअप क्रमांक द्रश्च. 28.त्त। 5229 को संदेह होने पर वन कर्मचारी के द्वारा वाहन रोककर पूछ ताछ कर जांच करने पर मौके पर विनिर्दिष्ठ वनोपज सागौन लठ्ठा 11 नग् =0.988 घ. मी. अवैध परिवहन करते पाए जाने पर चौपहिया वाहन पिकअप सहित जप्त कर भारतीय वन अधिनियम एवं अन्य अधिनियम (वनोपज एंव परिवहन)की विभिन्न धाराओं के तहत 06 आरोपी के विरुद्ध नामजद प्रकरण दर्ज किया जिसकी विवेचना जारी है।

स्टेट बैंक चिखली कलां ने मनाया स्थापना दिवस

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के न्यूटन नगर में भारतीय स्टेट बैंक स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक शाखा - चिखली कलां का स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक लोकेश कुमार चौधरी एवं शाखा ए.फो.एस (स्व.ह्न.स.) तनवीर आलम के द्वारा न्यूटन नगर के द्वारा बैंक से जुड़े सभी प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ एवं समस्त गणमान्य नागरिकों से मिलकर शुभकामनाएं प्रेषित की गई और शाखा से जुड़े होने हेतु आभार व्यक्त किया गया। न्यूटन नगर में भारतीय स्टेट बैंक शाखा चिखली कला के द्वारा मिठाई और चॉकलेट्स का वितरण किया गया और सभी का आभार व्यक्त किया गया।

अवैध देसी कच्ची महुआ की शराब बरामद

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बँधानी निवासी श्रीचंद नामक व्यक्ति के पास से अवैध शराब6 लीटर बरामद की गई वहीं ग्राम दुलारा निवासी अंत कुमार यादव के पास से 5 लीटर अवैध कच्ची देसी महुआ की शराब सहायक उप निरीक्षक रवि मालवीय ने बरामद कर प्रकरण आबकारी अधिनियम 34 ए में पंजीवद कर विवेचना में लिया।

नंदकिशोर भोयर के सेवानिवृत्ति पर भावभीनी बिदाई दी

सौसर। वन विभाग में कार्यरत स्थाई कर्मचारी नंदकिशोर भोयर के सेवानिवृत्ति पर वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भावभीनी बिदाई दिया कार्यक्रम में अनु विभागीय वन अधिकारी प्रमोद चोपड़े सौसर वन परिक्षेत्र अधिकारी शिव शंकर चतुर्वेदी की उपस्थिति में वन अधिकारी एवं कर्मचारीयोने नंद किशोर भोयर का शाल और श्रीफल से सत्कार कर उसे उपहार देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में प्रमोद चोपड़े शिव शंकर चतुर्वेदी ने नंदू के कार्यों की सराहना करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना किया कार्यक्रम में वन विभाग के कर्मचारियों ने भी नंदू के कार्यों की सराहना किया तथा पुष्पहार से स्वागत किया।

भूमका घाटी में ट्रक की टक्कर से एक गाय मृत एक घायल

वहांन चालक ट्रक लेकर हुआ फरार

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा से छिंदवाड़ा मार्ग एन एच 547 भूमका घाटी मैं एक ट्रक केवाहन चालक ने लापरवाही एवं तीव्र गति से वाहन चलाते हुए गायों को जोरदार टक्कर मार दी जिससे एक गाय की मौत हो गई वहीं दूसरी गाय को घायल अवस्था में स्थानी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के द्वारा पशु चिकित्सालय लाया गया ,जहां पर उसका उपचार प्रारंभ है !मृत गाय का पोस्टमार्टम करा कर दफनाया गया पुलिस ने जानकारी मिलने पर पुलिस द्वारा वाहन को पकड़ने की कार्रवाई तेज कर दी है ।

हर्रई के तुईयापानी में आदिवासी युवक से मारपीट मामले में पुलिस ने एससी/एसटी एक्ट में मामला दर्ज

छिंदवाड़ा। जिले के हर्रई थाना अंतर्गत ग्राम तुईयापानी में हाल ही में एक युवक से मारपीट के वायरल मामले में छिंदवाड़ा पुलिस द्वारा वस्तुस्थिति स्पष्ट की गई है।

पुलिस विभाग के अनुसार, दिनांक 29 जून 2025 को ग्राम तुईयापानी स्थित नेशनल हाईवे पर राजा चौकसे के ढाबा में कार्यरत आफत बट्टी तथा नवीन बट्टी का ढाबा संचालक से पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। दोनों युवक काम छोड़कर घर लौट आए। इसी विवाद के चलते उसी रात लगभग 10 बजे आरोपीगण राजा चौकसे, गोलू मालवीय और अंकित कहार (निवासी हर्रई) तुईयापानी में राजकुमार बट्टी के घर पहुंचे और लाठी-डंडों से मारपीट की।

इस प्रकरण में पुलिस द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए 30 जून 2025 को आरोपी राजा चौकसे को गिरफ्तार किया गया एवं धारा 151 के अंतर्गत भी कार्रवाई की गई। घटना पर फरियादी राजकुमार बट्टी द्वारा थाना हर्रई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिस पर से संबंधित धाराओं सहित एससी-एसटी एक्ट के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध किया गया है। वायरल वीडियो व मीडिया में बाद में जो अमानवीय कृत्य जैसे पेशाब पिलाने या मुंह पर थूकने की बात सामने आई, वह स्रढ्ढक्रदर्ज करते समय फरियादी द्वारा नहीं बताई गई थी और ना ही वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई थी। गांव लौटने के बाद अगली सुबह फरियादी द्वारा अन्य लोगों के समक्ष इन बातों का उल्लेख किया गया, जिनके संबंध में कोई प्रमाण अब तक प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। पुलिस द्वारा इस संबंध में फरियादी से आगे भी पूछताछ कर वस्तुस्थिति स्पष्ट की जा रही है।

इस संबंध में अमरवाड़ा एसडीएम से भी प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकुमार बट्टी पिता शोभाराम बट्टी निवासी ग्राम तुईयापानी तहसील हर्रई के साथ दिनांक 29 जून 2025 को रात करीब 10-00 बजे मारपीट की घटना हुई थी। उनके चचेरे भाई आफत बट्टी और भाई नवीन बट्टी राजा चौकसे के ढाबे में काम करते थे। पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद के बाद आफत और नवीन ढाबे से काम छोड़कर लौट आए थे। इसके कुछ देर बाद राजा चौकसे, गोलू मालवीय और अंकित कहार उनके घर पहुंचे और कहासुनी के बाद राजकुमार बट्टी के साथ मारपीट की। जब उन्होंने शोर मचाया तो भाई नवीन बट्टी और पत्नी जानकी बट्टी बीच-बचाव के लिए आए, जिनके साथ भी मारपीट की गई। इस घटना की रिपोर्ट राजकुमार बट्टी द्वारा थाना अमरवाड़ा में दर्ज कराई गई थी, जिसमें कहीं भी अमानवीय कृत्य जैसे पेशाब पिलाने या मुंह पर थूकने की कोई बात दर्ज नहीं है। उन्होनें बताया कि राजकुमार बट्टी के साथ किसी भी प्रकार की अमानवीय घटना नहीं हुई है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने हर्रई मामले को लेकर अजा थाने में ज्ञापन सौंपा

हर्रई में मार पीट कांड पर पीड़ित पक्ष का पुलिस अनुसूचित जनजाति थाना पहुंचकर कर प्रदर्शन किया यदि कानून न्याय नहीं देगा, तो समाज खुद जवाब देगा। दिनांक 29 जून को थाना हर्रई अंतर्गत आदिवासी समाज के एक युवक के साथ हुए बर्बर हमले और पेशाब पिलाने की अमानवीय घटना।

अवैध शराब का परिवहन कर रहे आरोपी को पहुंचाया जेल

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त छिंदवाड़ा प्रभारी श्री आकाश मेश्राम द्वारा आज प्रातः के समय गश्त के दौरान अचानक मुखबिर से सूचना प्राप्त होने के बाद बोहता से चांद सड़क मार्ग की ओर अपनी टीम के साथ घेराबंदी की गई। बोरिया से बोहता की ओर दुपहिया वाहन टीवीएस जुपिटर से एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया, जिसे टीम ने रोककर उससे पूछताछ की और उसकी जुपिटर वाहन में प्लास्टिक की कुप्पी एवं दो प्लास्टिक की बोरियों के अंदर पन्नियों में भरे तरल द्रव की माप और जांच के पश्चात तरल द्रव को महुआ निर्मित हाथ भट्टी मदिरा होना पाया, जो कि कुल जमा 60 बल्क लीटर होना पाया। आरोपी श्री रामकृपाल सराठे ने बताया कि यह शराब वह बिछुआ के आसपास के क्षेत्र से लाकर छिंदवाड़ा में सप्लाई करता है। आरोपी के विरूध्द मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम संशोधित 2000 की धारा 34(1)क, 34(2) एवं 46(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां माननीय न्यायाधीश महोदय द्वारा उसे जेल भेज दिया गया।

प्लॉट विक्रेता द्वारा भुगतान के बाद भी रजिस्ट्री न करने पर वैश्य समाज ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को शिकायत की

छिंदवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन छिंदवाड़ा के प्रमुख पदाधिकारियों, वैश्य भवन ट्रस्टियों और बड़ी संख्या में समाज के सदस्यों ने प्लॉट विक्रेता द्वारा अनुबंध के उल्लंघन और रजिस्ट्री में टालमटोल की शिकायत को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आयुष गुप्ता से मुलाकात की और लिखित शिकायत पत्र सौंपा।इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री विजय झांझरी ने बताया कि सुमेरसिंग नैय्यर की माताजी के नाम दर्ज 17,000 वर्गफुट के एक प्लॉट को रू.1.87 करोड़ में खरीदने का अनुबंध 7 जुलाई 2024 को किया गया था। अनुबंध के अनुसार प्लॉट को अधिकतम 9 भागों में विभाजित कर, किश्तों के रूप में भुगतान के अनुसार रजिस्ट्री की जानी थी।अब तक प्लॉट के पांच भू-भाग बनाए जा चुके हैं, जिनमें से चार भागों की कुल राशि रू. 64.20 लाख और पांचवें भाग के लिए रू. 29.01 लाख का भुगतान खरीदारों द्वारा विक्रेता के खाते में कर दिया गया है। इसके बावजूद विक्रेता ने चार प्लॉट की रजिस्ट्री करने से यह कहकर मना कर दिया कि पहले रू. 1.87 करोड़ की पूरी राशि अदा की जाए, जबकि यह अनुबंध की स्पष्ट अवहेलना है।श्री झांझरी ने बताया कि पांचवें भू-भाग की राशि वैश्य भवन ट्रस्ट की है और ट्रस्ट की शर्त है कि पहले चार हिस्सों की रजिस्ट्री हो, तभी अंतिम भाग की शेष राशि अदा की जाएगी। इसी संदर्भ में पुलिस प्रशासन से हस्तक्षेप कर चारों प्लॉट की शीघ्र रजिस्ट्री कराने की मांग की गई है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता ने समाजजनों की बात गंभीरता से सुनी और शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया।शिष्टमंडल में शामिल प्रमुख सदस्य- जे पी नेमा, नीरज भारद्वाज, अनिल गुप्ता, विकास वात्सल्य, विनीत गुप्ता, रोहित राठी, राजेश सोनी (मार्बल), कमलेश गुप्ता, शैलेन्द्र जैन (स्क्र), विशाल माहेश्वरी, सुनील जैन, देवेश राठी, पंकज जैन, चिंतन जैन, आकाश गुप्ता, अनिल बज, नरेंद्र अग्रवाल (बबलू), बृजेश काल्पीवार, आदित्य नाहर, राकेश अग्रवाल, अमित सोनी, श्रीराम सोनी, अंकुर शाह, नवीन जैन, अंकेश साहू, संजय साहू, नीलेश जैन, मुरली राठी, प्रभात अग्रवाल, मनोज बाकलीवाल, भरत काबरा, चेतन जैन (चानी), प्रवीण जैन, मनमोहन चांडक, जितेंद्र जैन, नितेश जैन, खुशाल अग्रवाल, विवेकराज जैन, अंकितराज जैन, सुमित जैन, निखिल जैन, अविनाश जैन, राजेश नेमा, चैनकुमार जैन, विनीत झांझरी, मुकुंद अग्रवाल, संदीप जैन (प्रशिक्षण अधिकारी), इंजीनियर संदीप जैन, अजय चौरसिया (पिंटू), कुंज राठी, अशोक अग्रवाल, मनोज साहू, राजेश जैन समेत समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

इनका कहना

रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, मेरे द्वारा रजिस्ट्री करने को मना नहीं किया गया है। चूंकि इनका इकरारनामा की अंतिम तिथि 5 जुलाई है और इनके द्वारा बकाया राशि न देकर रजिस्ट्री करने को बोल रहे हैं। बकाया राशि मिलने के बाद ही रजिस्ट्री करूंगा।

सुमेरसिंह नैय्यर

पातालकोट में आदिवासियों से मिला राष्ट्रीय मीडिया दल

विकास कार्यों का लिया जायजा

छिंदवाड़ा। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के कार्यों का जायजा लेने राष्ट्रीय मीडिया दल मध्य प्रदेश के दौरे पर है।इस दौरे के तहत दल ने 2 जुलाई को विदिशा का भ्रमण किया और आज, 3 जुलाई को छिंदवाड़ा जिले का दौरा किया। छिंदवाड़ा में मीडिया दल ने विशेष रूप से पातालकोट क्षेत्र में जनजातीय समुदायों से मुलाकात की और उनके कल्याण व विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया। इस दौरान दल ने एकलव्य आवासीय विद्यालय, तामिया के बच्चों से रूबरू हुए जहां पर उन्हें एक अद्भुत प्रतिभावान बच्चे से मिले जिसे राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है बच्चा ढोलक बचाने में मास्टर है इसके साथ ही छिंदवाड़ा के श्री बादल भोई राज्य आदिवासी संग्रहालय का भी निरीक्षण कर आदिवासी संस्कृति को समझा और वन धन केंद्र पातालकोट का दौरा किया। इसके अतिरिक्त, चिमटीपुर के छात्रावास में भी पातालकोट के आदिवासियों से गहन बातचीत की गई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, रामेश्वर नाईक (उप निदेशक, पीआईबी), उपस्थित रहे। उनके साथ आदिम जाति कल्याण विभाग, छिंदवाड़ा के सहायक आयुक्त सत्येंद्र सिंह मरकाम भी मौजूद थे, जिन्होंने स्थानीय जनजातीय कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी दी। केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रचार अधिकारी राम सहाय प्रजापति और एरिया ऑर्गेनाइजर मनीष बोरकर ने भी दल के साथ भ्रमण किया। स्थानीय मीडिया से महेंद्र राय, करण विश्वकर्मा और पत्रकार नितिन दत्ता भी इस कवरेज में शामिल रहे। आदिवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का जायजा लिया, यह दौरा जनजातीय समुदायों की वास्तविक स्थिति को समझने और भविष्य की नीतियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी जुटाने में सहायक होगा।

शांति और सद्भाव के साथ मनाया जायेगा मोहर्रम का त्यौहार

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

छिन्दवाड़ा। मोहर्रम का पर्व चांद नज़र आने के बाद 27 जून से प्रारंभ हो गया है, जो 06 जुलाई 2025 तक मनाया जायेगा। मोहर्रम की पहली तारीख से दस तारीख तक विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जिले में मोहर्रम पर्व के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थायें बनाये रखने के लिये आज कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक श्री अजय पाण्?डेय की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में समिति के सभी सदस्यों से बारी-बारी से सुझाव लिये गये और सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय के उपरांत संबंधित अधिकारियों को तदनुरूप आवश्यक कार्यवाही करते हुये समुचित व्यवस्थायें बनाने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री पाण्डेय ने सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि त्यौहार में पुलिस प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थायें की जायेंगी और हर संभव सहयोग किया जाएगा। साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, पीने के पानी की व्यवस्था, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था, मार्गों को ठीक करने, मार्गों से अतिक्रमण हटाने, विद्युत के झूलते तारों को सही करने, ताजियों के विसर्जन स्थल बड़ा तालाब में पर्याप्त रोशनी, साफ-सफाई, पंडाल, पानी, कुर्सी आदि व्यवस्था सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें संबंधित विभागों के माध्यम से कराई जाएंगी। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये।

आठ दिवसीय महापर्व अष्टान्हिका का हुआ शुभारंभ

नगर के जैन मंदिरों में प्रारंभ हुए पूजन विधान

छिंदवाड़ा - जैन दर्शन के अनादि निधन शाश्वत महापर्व अष्टान्हिका का मंगलमय शुभारंभ आषाढ़ शुक्ल अष्टमी गुरुवार के शुभ दिन विविध अनुष्ठानों के साथ हुआ जो आगामी आठ दिन आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा 10 जुलाई तक चलेगा।मंगलमय प्रसंग पर नगर के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जिनालय में श्री दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में श्री नंदीश्वर दीप बाबन पूजन विधान का भव्य शुभारंभ मंगल कलश, जिनवाणी एवं अष्ट मंगल द्रव्यों की स्थापना के साथ हुआ। जिसका सौभाग्य जिनशासन सेविका श्राविकाओं को प्राप्त हुआ।मंगलकारी विधान में मंडल के मंत्री अशोक वैभव, फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन सहित पंडित ऋषभ शास्त्री, वर्धमान जैन, सचिन जैन, विवेक जैन, आशीष कौशल एवं जूली पाटनी के साथ बड़ी संख्या में श्रावकगणों ने जिनशासन के मंगलगान करते हुए देव - शास्त्र - गुरु भगवन्तों की मंगल आराधना की ओर चंबर नृत्य करते हुए जिनशासन की मंगल प्रभावना की। मंगलमय प्रवचनों की श्रृंखला में स्वाध्याय भवन में गुरुदेवश्री के सीडी प्रवचनों में गायक भगवान आत्मा की महिमा जानी ओर संध्या की बेला पर अष्टान्हिका महापर्व का स्वरूप जाना।

जिले में अभी तक 221.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 221.8 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 198.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 03 जुलाई 2025 को प्रात:-8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 0.9 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 03 जुलाई 2025 को प्रात:-8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील तामिया में 01, परासिया में 01, जुन्नारदेव में 5.2 और उमरेठ में 03 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 202.8, मोहखेड़ 241.1, तामिया में 185, अमरवाड़ा में 300.4, चौरई में 165, हर्रई में 315.8, बिछुआ में 127.4, परासिया में 151, जुन्नारदेव में 224.8, मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

भाउराव की हत्या और शहर के बीच संचालित अवैध शराब दुकानों को हटाने गुलाबी गैंग का अनिश्चितकालीन, आमरण अनशन धरना

छिंदवाड़ा। पांढुरना के तिगांव में भाउराव की शराब माफिया और पुलिस द्वारा छिंदवाड़ा जिला जेल में निर्मम हत्या करवाने एवं शहर के बीचो बीच संचालित अवैध शराब दुकानों, आहतों को हटाकर शहर के बाहर करने को लेकर गुलाबी गैंग कमाण्डर पूर्णिमा वर्मा के नेतृत्व में 3 जुलाई 2025 दिन गुरूवार से स्थानीय इंदिरा चैराहे पर अनिश्चित कालीन आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होनें बताया कि पॉढुर्णा में आंदोलन के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया गया था, परंतु आज एक माह बाद तक उक्त घटना के दोषियों के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई और पीड़ित पारिवार न्याय की आस लगाये बैठे है, पूर्णिमा वर्मा ने पॉढुर्णा की घटना में शामिल आरोपियों के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही करने एवं शहर के मुख्य चैराहों प्रमुख रूप से मान सरोवर बस स्टेण्ड के सामने अमित ठेंगे चैक पर और शहर की हृदय स्थली गांधी प्रतिमा के पीछे स्थित शराब दुकानों आहतों को तत्काल शहर से बाहर करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ किया है, जो कि उनकी मांग पूरी नहीं होने तक निरंतर जारी रहेगा । आज अनशन में गुलाबी गैंग की कमाण्डर पूर्णिमा वर्मा के साथ, किरन मोहबे, शोभा वर्मा बैठी। इस अवसर पर अंजली सोनी चैरई ग्रामीण कमाण्डर, तामिया कमाण्डर, दीघावानी, चांवलपानी अमरवाड़ा और छिंदवाड़ा गुलाबी गैंग की सदस्य मौजूद रही ।

सतना सीमेन्ट वर्क्स द्वारा बच्चों को शिक्षा सामग्री किट वितरित कर प्रोत्साहित किया गया

सतना। बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड यूनिट सतना सीमेन्ट वर्क्स, सतना अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सदैव कटिबद्ध है।इसी के परिपालन में संस्थान द्वारा शिक्षा-सारथी कार्यक्रम के तहत गरीब व वंचित बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने हेतु कई प्रयास कर रही हैं जिसमें सरकारी शालाओं में सुविधायें उपलब्ध कराना, बच्चों के लिए कोचिंग चलाना साथ ही आज के कार्यक्रम का उद्देश्य नई बस्ती (स्लम एरिया) में पढ़ रहे कक्षा 1 से 5वीं तक के 32 बच्चों को स्कूल बैग,किताबें, ड्रेस जूता -मोजा स्वेटर आदि सामग्रियों का वितरण कर बच्चों और उनके पालकों को प्रोत्साहित करना है ताकि इस वर्ग के बच्चे भी अपना भविष्य बना सकें और देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

इसी के परिपालन में संस्थान द्वारा शिक्षा-सारथी कार्यक्रम केअंतर्गत बच्चों को शिक्षण सामग्री किट का वितरण किया गया।इसके उपरांत श्री आर.के.गिरि,एच.आर.हेड द्वारा शिक्षा-सारथी कार्यक्रम उपलब्धियों के बारे में बताया गया। श्री कौशल मिश्रा,यूनिट हेड नेइस बात पर जोर दिया कि हमें सभी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आजीविका पर कार्य करनें की आवश्यकता है जिससे समाज का सम्पूर्ण व बेहतर रूप से विकास हो सके।मुख्य अतिथि सुश्री आयुषी अग्रवाल खंड शिक्षा अधिकारी नें कहा कि मैंने किसी अन्य सी.एस.आर. टीम को इस प्रकार कार्य करते हुये पहली बार देखा है हमें इन बच्चों को आगे बढानें के लिए काम करना है क्योंकि ये बच्चे ही हमारे देश का निर्माण करेंगे आप लोगों को शिक्षा विभाग की जहां भी जरुरत हो आप बतायें। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री आयुषी अग्रवाल, खंड शिक्षा अधिकारी सोहावल,कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री कौशल मिश्रा,यूनिट हेड बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड यूनिट सतना रहे तथा कार्यक्रम में मुख्य रुप से श्री आर.के.गिरि, एच.आर. हेडएवं सी.एस.आर. से श्री रंजीत प्रसाद (क्लस्टर हेड), श्री विजय कुमार (मैनेजर), अनामिका सिंह एवं सहयोगी संस्था प्रजायत्न एवं प्रियांसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए अंतरित करेंगे राशि

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में 235 करोड़ रुपये की होगी राशि अंतरित

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार 4 जुलाई को प्रातः 11 बजे भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह की भी गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिये उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस वर्ष 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रूपये की राशि दी जा रही है।

शासकीय महाविद्यालय कैलारस में 'दीक्षारंभ कार्यक्रम' संपन्न

मुरैना। शासकीय महाविद्यालय कैलारस में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार मिश्रा ने अध्यक्षता करते हुए विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व एवं महाविद्यालयीन जीवन के मूल्यों से अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. मिश्रा ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में छात्रों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, समय के सदुपयोग तथा उपलब्ध संसाधनों के उचित उपयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का केंद्र है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली, पुस्तकालय, छात्रवृत्तियाँ, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), रेड रिबन क्लब, कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ तथा अन्य गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता दिखाई और अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन क्रीड़ा अधिकारी (स्पोर्ट्स ऑफिसर) श्री सुदीप कुमार यादव द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ किया गया। उन्होंने सभी उपस्थित विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं आयोजन टीम को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नवप्रवेशित छात्र छात्राओं के अलावा शासकीय महाविद्यालय कैलारस से प्राचार्य डॉ संतोष कुमार मिश्रा, श्री सुदीप कुमार यादव,, डॉ शिवचरण, डॉ राजीव शर्मा,डॉ प्रवीण कुमार लिटोरिया, डॉ प्रशांत चतुर्वेदी, डॉ रामेंद्र सिंह परमार, डॉ देवेंद्र जाटव, डॉ ममता सोनी, डॉ नीतू सिंह, श्री दर्शन गिरी गोस्वामी, सुश्री प्रियंका साहू, श्रीमती रुचि गुप्ता, श्रीमती शिल्पी अग्रवाल, श्री टैलेंद्र सिंह निगम, श्री नीरज सिंह तोमर, श्री आशु शुक्ला, श्री अमित शर्मा, श्री यशवंत राठौर, श्रीमती प्रीति धाकड़ आदि उपस्थित थे।

नाम संशोधन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पूरा नाम हिंदी वर्णमाला में आलोक श्रीवास्तव पिता बहादुर लाल श्रीवास्तव है, एवं अंग्रेजी वर्णमाला में Alok shrivastava है। यही नाम मेरा शिक्षण संस्थानों के दस्तावेजों में भी दर्ज चला आ रहा है परंतु किन्हीं आपर्याप्त त्रुटि के चलते आधार कार्ड में मेरा नाम अंग्रेजी वर्णमाला में AAlok Shrivastav लिखा गया है जो गलत है। मेरा सही नाम अंग्रेजी वर्णमाला के अनुसार संशोधित कर सही शब्द Alok Shrivastava है जो सही हैं, एवं मुझे अंग्रेजी वर्णमाला के इसी संशोधित नाम से पहचाना जावें ।

सूचना कराने वाले का नाम पता- आलोक श्रीवास्तव , वार्ड नंबर 22 भगत सिंह नगर इटारसी , जिला- नर्मदापुरम

संपादकीय

पंजाब में नशे का नेटवर्क या सत्ता की सांठगांठ? मजीठिया की गिरफ्तारी ने खोले कई राज

पंजाब पिछले दो दशक से नशाखोरी की चपेट में है। मादक पदार्थों की लत युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बना रही है। गांवों तक पहुंच चुके तस्कर उनके लिए मौत के सौदागर बन गए हैं। जिला प्रशासन और पुलिस के प्रयास और संकल्प के बावजूद समस्या गहराती चली गई है। पिछले दो विधानसभा चुनावों में इसे राजनीतिक मुद्दा भी बनाया गया। मगर सच यह है कि नशाखोरी पर लगाम लगाने में किसी दल की राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई नहीं देती। जब भी नशे के खिलाफ अभियान चलता है, तो पर्दे के पीछे से कई लोग बाधक बन जाते हैं। ऐसे आरोप आम रहे हैं कि मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के तार राजनीति से जुड़े हैं। अकाली दल के नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की गिरफ्तारी को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। उन पर मादक पदार्थों से अर्जित 540 करोड़ से अधिक राशि का कई माध्यमों से शोधन करने का आरोप है। सवाल है कि पंजाब के युवाओं को खोखला करने में लगे वे कौन लोग हैं, जिन पर काबू पाना मुश्किल बना हुआ है। अब पंजाब की मौजूदा राजनीति और आने वाले विधानसभा चुनाव पर मजीठिया की गिरफ्तारी का जो भी असर पड़े, लेकिन इससे एक व्यापक तंत्र का संकेत जरूर मिलता है। हालांकि मादक पदार्थों के कारोबार को संरक्षण देने के मामले को लेकर राजनीतिकों पर जब-तब सवाल उठते रहे हैं। लेकिन युवाओं के भविष्य का हवाला देकर राजनीति करने वाले लोग ही अगर नशाखोरी को बढ़ावा देंगे, तो कैसी युवा पीढ़ी तैयार होगी? सतर्कता जांच के बाद मादक पदार्थों के कारोबार में विक्रम सिंह मजीठिया के लिप्त रहने के आरोप ने इस आशंका को बल दिया है कि क्या इस मामले में कुछ और चेहरे छिपे हुए हैं। आखिर क्या वजह है कि पिछले एक दशक से लगातार अभियान चलाने के बावजूद अपनी जड़ें जमाए नशे के सौदागर काबू नहीं आ रहे? हैरत की बात है कि राज्य में जब भी नशे का मुद्दा उठा, मजीठिया का नाम भी चर्चा में रहा। पिछले विधानसभा चुनाव में भगवंत मान ने उनको निशाने पर लिया था। अब उन पर कार्रवाई के बाद अकाली नेता इसे राजनीतिक प्रतिशोध बता रहे हैं। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि राजनीतिक बयानबाजी में असल मुद्दा पीछे न छूट जाए।

मध्यमवर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋण के जाल में

-प्रह्लाद सबनानी

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंततः देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भुगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चूक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं।

बैंकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस ऋणराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैंकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भुगतान यदि वे निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसूली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अतः बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भुगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चूककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त ही न हो सके। ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैंकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चूक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैंकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अतः जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है। भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैंकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पड़ौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है। यह नव धनाढ्य वर्ग यदि बैंक से लिए गए ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस नागरिक विशेष के वित्तीय रिकार्ड पर धब्बा लग सकता है जिससे उसके लिए उसके शेष जीवन में बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से पुनः ऋण लेने में कठिनाई आ सकती है। अतः बैंकों से ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों को ऋण की किश्त का समय पर भुगतना करना स्वयं उनके हित में हैं, ताकि भारत में तेज हो रही आर्थिक प्रगति का लाभ आगे आने वाले समय में भी समस्त नागरिक ले सकें।

भारत में तो यह कहा भी जाता है कि जिसके पास जितनी चादर हो, उतने ही पैर पसारने चाहिए। अर्थात, नागरिकों को बैंकों से ऋण लेते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का भुगतान करने लायक उनकी अतिरिक्त आय होनी चाहिए, ताकि ऋण की किश्तों एवं ब्याज की राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके एवं उनका ऋण खाता गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित नहीं हो।

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

-ललित गर्ग

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी। महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई।

अपराधियों से निपटने में विफल नीतिश सरकार देगी हथियार लाइसेंस

बिहार में कानून-व्यवस्था हमेशा से एक चुनौती रही है। हालात यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम रही है। इसका सरकार ने आसान विकल्प खोज लिया है। वह यह है कि अब मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य जैसे जनप्रतिनिधि आत्मरक्षा के लिए लाइसेंसी हथियार रख सकेंगे। जिससे लगभग ढाई लाख जनप्रतिनिधियों को फायदा मिलेगा। राज्य के गृह विभाग ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में आवेदनों की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश जारी किया है। बिहार में आगामी चंद महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में नीतिश सरकार के इस फैसले को चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है। बिहार सरकार ने यह फैसला राज्य में पंचायत प्रतिनिधियों पर हमले और हत्याओं की बढ़ती घटनाओं के कारण लिया है। इसके विपरीत सच्चाई यही है कि ऐसा करके नीतिश सरकार ने ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को साधने की कोशिश की है। यदि नीतिश कुमार के इस फैसले को पंचायत प्रतिनिधियों की सुरक्षा के हित में भी माना जाए तब यह प्रदेश में अपराध की हालत को दर्शाता है।

-योगेंद्र योगी

राजनीतिक दल सत्ता प्राप्ति के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इससे बेशक राज्य का चाहे कितना ही नुकसान क्यों ना हो। बिहार जैसा प्रदेश जो एक दौर में नस्लवाद और जातीय हिंसा के लिए कुख्यात रहा, अब भी अपराधों के मामले में पीछे नहीं हैं। बिहार में सत्ता में कोई भी राजनीतिक दल रहा हो, अपराधों से सभी का गहरा रिश्ता रहा है। बिहार में कानून-व्यवस्था हमेशा से एक चुनौती रही है। हालात यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम रही है। इसका सरकार ने आसान विकल्प खोज लिया है। वह यह है कि अब मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य जैसे जनप्रतिनिधि आत्मरक्षा के लिए लाइसेंसी हथियार रख सकेंगे। जिससे लगभग ढाई लाख जनप्रतिनिधियों को फायदा मिलेगा। राज्य के गृह विभाग ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में आवेदनों की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश जारी किया है। बिहार में आगामी चंद महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में नीतिश सरकार के इस फैसले को चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है।

बिहार सरकार ने यह फैसला राज्य में पंचायत प्रतिनिधियों पर हमले और हत्याओं की बढ़ती घटनाओं के कारण लिया है। इसके विपरीत सच्चाई यही है कि ऐसा करके नीतिश सरकार ने ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को साधने की कोशिश की है। यदि नीतिश कुमार के इस फैसले को पंचायत प्रतिनिधियों की सुरक्षा के हित में भी माना जाए तब यह प्रदेश में अपराध की हालत को दर्शाता है। जिस प्रदेश में जनप्रतिनिधी ही सुरक्षित नहीं हैं, वहां आम अवाम की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। सवाल यह भी है कि लाखों की संख्या में हथियारों के लाइसेंस देने से क्या राज्य में हिंसा में बढ़ोत्तरी नहीं होगी। बिहार में यदि पुलिस तंत्र प्रभावी और मजबूत होता तो यह नौबत नहीं आती कि लाखों जनप्रतिनिधियों को हथियारों के लिए लाइसेंस दिया जाए। इससे जाहिर है कि मुख्यमंत्री नीतिश ने अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के बजाए हथियारों के लाइसेंस देने का आसान विकल्प चुना है। बड़ा सवाल यह भी है कि जनप्रतिनिधी अपनी सुरक्षा हथियारों से कर लेंगे, किन्तु प्रदेश की अवाम का क्या होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश का यह फैसला दर्शाता है कि बिहार में कानून-व्यवस्था लगभग ध्वस्त हो चुकी है। बिहार पुलिस हिंसक अपराध के मामलों में आई तेजी है। बिहार में पिछले 10 वर्षों में राज्य में फर्जी शस्त्र लाइसेंस, अवैध बंदूक और गोला व बारूद की अनाधिकृत तौर पर बिक्री बढ़ी है और यह प्रदेश में बढ़ रही हिंसा की बड़ी वजह है। राज्य के अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने इस दिशा में एक अध्ययन भी किया है। बिहार पुलिस ने यह अध्ययन बिहार पुलिस के महानिदेशक विनय कुमार को सुपर्द किया। पुलिस ने राज्य में हिंसक अपराधों में वृद्धि को सीधे तौर पर राज्य में अवैध हथियारों और गोला-बारूद की बढ़ती बिक्री से जोड़ा है और हत्या, फिरौती के लिए अपहरण, डकैती, लूट, बैंक डकैती और सड़क डकैती जैसे अपराधों के लिए इसे जिम्मेदार माना है। एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो) के अनुसार, बिहार 2017 से 2022 के बीच हिंसक अपराधों के मामले में लगातार शीर्ष पांच राज्यों में शुमार रहा है। इस अध्ययन में यह बात सामने आई कि प्रति वर्ष पटना में 82 हिंसा के मामले औसतन रूप से सामने आए हैं और राज्य की राजधानी हिंसा की राजधानी बन चुकी है। पटना के बाद क्रमशः मोतिहारी में 49.53, सारण 44.08), गया 43.50, मुजफ्फरपुर 39.93 और वैशाली में 37.90 मामले प्रति वर्ष औसतन दर्ज किए जा रहे हैं। हिंसक अपराधों की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष 10 जिलों में पटना, मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, नालंदा और बेगूसराय शामिल हैं। ये उन शीर्ष 10 जिलों में से भी हैं जिनमें सबसे अधिक आर्म्स एक्ट के मामले हैं। अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि अवैध आग्नेयास्त्र और हिंसक अपराध के मामलों के बीच घनिष्ठ संबंध है। एक दशक के अपराधों के अध्ययन के आधार पर विशेष कार्य बल ने बिहार के डीजीपी से सिफारिश की है कि वे व्यक्तिगत गोला-बारूद कोटा को मौजूदा 200 से घटाकर न्यूनतम कर दें। साथ ही यह भी सिफारिश की गई है कि डीजीपी कार्यालय आग्नेयास्त्रों का उपयोग करने में असमर्थ मानता है, उनके लाइसेंस रद्द कर दे। लाइसेंस प्राप्त मिनीगन कारखानों की निगरानी करें। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत में अपराधों के मामलों में शीर्ष पर उत्तर प्रदेश रहा। इसके बाद अपराधों के पायदान पर क्रमशः केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार है। अपराधों की श्रेणी में चोरी के मामले सबसे ज्यादा दर्ज किए गए। इसके बाद दूसरे नंबर पर डकैती और उत्पीडन के मामले सामने आए। अपराधों में आंकड़ों के लिहाज से तीसरे नंबर बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। इस मामले में चिंता की बात यह है कि इसमें वर्ष 2023 के मुकाबले 1.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है जबकि अपहरण के मामलों में पिछले वर्ष के मुकाबले 5.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बिहार सरकार द्वारा जारी बिहार आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित दर्ज और निपटाए गए मामलों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 2021-22 में क्रमशः 13.05 प्रतिशत और 19.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-22 में दर्ज सभी मामलों में से घरेलू हिंसा के लिए सबसे ज़्यादा 4,889 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद दहेज उत्पीडन (787), यौन उत्पीडन (116), दूसरी शादी (81), मोबाइल/साइबर से जुड़े अपराध (59), बाल विवाह (24), कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन (22), मानव तस्करी (12), दहेज हत्या (5) और अन्य (1,297) दर्ज किए गए। 2021-22 में 86 प्रतिशत दर्ज मामलों का निपटारा किया गया, जबकि 2020-21 में यह 82 प्रतिशत था। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने आंकड़े और आबादी के आधार पर दावा किया है कि 2004 के मुकाबले 2025 में अपराध में भारी गिरावट आयी है।

एकादशी के दिन भगवान विष्णु को चढ़ाएं अपराजिता

ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु को पुष्प अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। साथ ही, सकारात्मकता का भी संचार होता है। भगवान विष्णु को अलग-अलग पुष्प चढ़ाने के भिन्न-भिन्न लाभ होते हैं।

एकादशी का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है और इस दिन उनकी पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा के दौरान उन्हें कई प्रकारके फूल अर्पित किए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु को पुष्प अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। साथ ही, सकारात्मकता का भी संचार होता है। भगवान विष्णु को अलग-अलग पुष्प चढ़ाने के भिन्न-भिन्न लाभ होते हैं।

एकादशी के दिन भगवान विष्णु को अपराजिता अर्पित करने के लाभ

अपराजिता का फूल धन और समृद्धि से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि इसे भगवान विष्णु को चढ़ाने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और घर में धन का आगमन होता है। खास तौर पर सफेद अपराजिता का फूल माता लक्ष्मी को भी बहुत प्रिय है और एकादशी पर इसे चढ़ाने से धन-धान्य की कमी नहीं होती।

अपराजिता नाम का अर्थ ही है जो कभी पराजित न हो। यह फूल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मकता को आकर्षित करने में सहायक माना जाता है। एकादशी के दिन इसे भगवान को अर्पित करने से घर से नकारात्मकता का प्रभाव समाप्त होता है और सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है।

भगवान विष्णु को अपराजिता का फूल चढ़ाने से व्यक्ति को अपने कार्यों और जीवन में आने वाली बाधाओं पर विजय प्राप्त होती है। यह मनोकामनाओं की पूर्ति में भी सहायक होता है क्योंकि भगवान विष्णु प्रसन्न होकर भक्तों की इच्छाएं पूरी करते हैं। अपराजिता के फूल का संबंध विभिन्न ग्रहों से भी होता है।

भगवान विष्णु को एकादशी के दिन अपराजिता का फूल चढ़ाने से ग्रह दोष दूर होता है। विशेष रूप से अपराजिता भगवान शिव और शनिदेव का प्रिय माना जाता है। ऐसे में इसे भगवान विष्णु को चढ़ाने से शिव जी का भी आशीर्वाद मिलता है और शनि दोष, शनि की साढ़े साती एवं शनी ढैय्या से राहत मिलती है।

एकादशी का व्रत और पूजा भगवान विष्णु के प्रति समर्पण का भाव जगाती है। अपराजिता का फूल चढ़ाकर पूजा करने से आध्यात्मिक शांति मिलती है, मन एकाग्र होता है और मोक्ष की प्राप्ति के मार्ग प्रशस्त होते हैं। यह भक्ति और साधना को और भी अधिक प्रभावी बनाता है और भगवान से हमें जोड़ता है।

आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि कब से होगी शुरू? तिथि, महत्व और इससे जुड़े जरूरी नियम

आषाढ़ मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन गुप्त नवरात्रि की शुरुआत होती है। चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। वहीं, गुप्त नवरात्रि में देवी की दस महाविद्याओं की साधना की जाती है। इस दौरान तांत्रिक, अघोरी तंत्र मंत्र और सिद्धि प्राप्त करते हैं। ऐसे में गुप्त नवरात्रि का महत्व बहुत विशेष होता है। इस दौरान देवी की साधना करने से मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है। आइए विस्तार से जानें गुप्त नवरात्रि शुरू होने की तिथि, नियम और महत्व...

आषाढ़ मास 12 जून, गुरुवार से आरंभ हो चुका है। इस महीने में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो जाती है। पूरे वर्ष में चार नवरात्रि आती हैं, जिनमें से एक गुप्त नवरात्रि होती है। हिंदू धर्म में इन नौ दिनों का बहुत खास महत्व होता है। एक गुप्त नवरात्रि माघ में भी आती है। मान्यता है कि ये नवरात्रि सिद्धि और साधना के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। साथ ही, तंत्र मंत्र के साधक की इन दिनों में विशेष रूप से साधना रखते हैं। गुप्त नवरात्रि लोगों के बीच ज्यादा प्रचलित नहीं है, जिसके पीछे का कारण यही है कि इसमें तंत्र मंत्र के साधक ज्यादा साधना रखते हैं। माना जाता है कि इस दौरान मां दुर्गा और उनकी 10 महाविद्याओं की पूजा करने से व्यक्ति को विशेष फल की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि शुरुआत कब से होगी और इससे जुड़े जरूरी नियम...

आषाढ़ मास गुप्त नवरात्रि 2025 तिथि

इस साल आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि 26 जून से शुरू हो रही है और इसका समापन 04 जुलाई को होगा। यानी इस बार गुप्त नवरात्रि पूरे नौ दिनों तक रहेगी। गुप्त नवरात्रि के लिए घट स्थापना का शुभ मुहूर्त ध्रुव योग और आर्द्रा नक्षत्र में रहेगा। वहीं, 3 जुलाई के दिन दुर्गा अष्टमी मनाई जाएगी और नवमी तिथि का समापन शाम के समय 4 बजकर 32 मिनट पर होगा। प्रतिपदा तिथि की शुरुआत- 26 जून, गुरुवार को सूर्योदय के पूर्व से ही प्रतिपदा तिथि शुरू हो जाएगी।

आषाढ़ मास गुप्त नवरात्रि नियम

माना जाता है कि भूलकर भी गुप्त नवरात्रि में तामसिक भोजन जैसे- मांस, प्याज, लहसुन आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही, इस अवधि के दौरान मदिरा से भी दूरी बनाकर रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के क्रोध व विवाद में नहीं पड़ना चाहिए। गुप्त नवरात्रि में बाल और नाखून काटने भी वर्जित माना जाता है। ऐसे में इन दिनों में गलती से भी ये दो कार्य नहीं करने चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में भूलकर भी चमड़े से बनी चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। साथ ही, इससे बनी चीजों को धारण भी नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

कहा जाता है नवरात्रि में दिन के समय सोना और बिस्तर पर सोना भी वर्जित होता है। खासतौर पर जो लोग नवरात्रि का व्रत रखते हैं उन्हें जमीन पर बिस्तर लगाकर सोना चाहिए। गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की साधनाआषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि में सामान्य लोग मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा अर्चना करते हैं। इसके अलावा, तांत्रिक, अघोरी तंत्र मंत्र और सिद्धि प्राप्त करते हैं। ये सभी देवी की दस महाविद्याओं की साधना करते हैं, जिन्हें बहुत शक्तिशाली माना जाता है। मान्यता है कि जिस व्यक्ति पर देवी की कृपा होती है, उसे किसी भी संकट का सामना नहीं करना पड़ता है। साथ ही, ऐसे लोगों के लिए दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं रहता है। देवी की दस महाविद्याएं इस प्रकार हैं- माता धूमावती देवी, माता काली देवी, माता त्रिपुरा देवी, तारा देवी, माता षोडशी देवी, माता छिन्नमस्ता देवी, भुवनेश्वरी देवी, माता बगलामुखी देवी, माता कमला देवी और माता मातंगी देवी।

ध्रुव योग में गुप्त नवरात्रि कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि इस साल 26 जून से मनाए जाएंगे। 26 जून को कलश स्थापना होगी और 4 जुलाई को नवरात्रि समाप्त होंगे। गुप्त नवरात्रि के इस मौके पर 10 महाविद्याओं की पूजा की जाती है। इस बार आषाढ़ गुप्त नवरात्रि पर ध्रुव योग और सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। ध्रुव योग योग 26 जून को शुरू होगा और अगले दिन 27 जून को सुबह 5.37 मिनट तक रहेगा। इस बार गुप्त नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए एक घंटा 32 मिनट का समय मिल रहा है। आपको बता दें कि गुप्त नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि के दिन कलश स्थापना होती है। आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 25 जून को शाम को 4 बजे से लग रही है और 26 जून को दोपहर 1.24 बजे तक लगेगी। उदया तिथि के अनुसार प्रतिपदा 26 को रहेगी, इसलिए गुप्त नवरात्रि 26 जून से शुरू होगें। कलश स्थापना के लिए अभीजीत मुहूर्त सुबह 10.58 मिनट से 11..53 मिनट तक रहेगा।

कलश स्थापना मुहूर्त

कलश स्थापना नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि के दिन की जाती है, यह नवरात्रि की शुरुआत का प्रतीक है। नीचे दिए मुहूर्त में कलश स्थापना कर सकते हैं।

मिथुन लग्न शुरू: सुबह 4.33 बजे, 26 जून
मिथुन लग्न समाप्त: सुबह 6.05 बजे, 26 जून
कलश स्थापना मुहूर्त: सुबह 4.33 प्रात: 6.05
अभिजीत मुहूर्त: सुबह 10.58 बजे से सुबह 11.53 बजे तक
ध्रुव योग: रात 11.40 तक
सर्वार्थ सिद्धि योग: 26 जून को सुबह 8.46 बजे से 27 जून को सुबह 5.35 बजे तक

गुप्त नवरात्रि का महत्व

चैत्र और शारदीय नवरात्रि के बारे में आपने सुना होगा, लेकिन आषाढ़ मास और माघ मास के नवरात्र के बारे में आप नहीं जानते होंगे। गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की पूजा आध्यात्मिक साधक और तांत्रिक करते हैं। यह नवरात्रि गहन साधनाओं और अनुष्ठानों के लिए समर्पित है, जिसमें दस महाविद्याओं काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी, कमला की अराधना की जाती है।

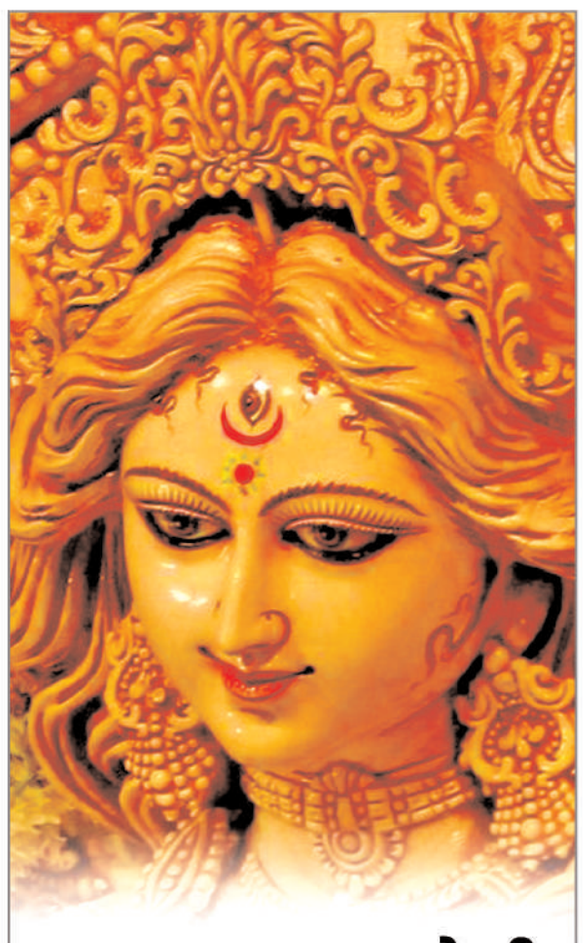

26 जून शुरू होगी गुप्त नवरात्र? भूलकर भी न करें ये काम

गुप्त नवरात्र का पर्व सनातन धर्म में बहुत शुभ माना जाता है जो मां दुर्गा की पूजा के लिए समर्पित है। इस दौरान देवी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और रोग-दोष दूर होते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल गुप्त नवरात्र कब शुरू होगी?

सनातन धर्म में नवरात्र का पर्व बहुत शुभ माना जाता है। यह मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के लिए समर्पित है। गुप्त नवरात्र को तंत्र-मंत्र और गुप्त सिद्धियों के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान देवी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कहते हैं कि इस दौरान कठिन उपवास करने से सभी तरह के रोग-दोष दूर होते हैं।

26 जून से शुरू होगी गुप्त नवरात्र

हिंदू पंचांग के अनुसार, गुरुवार 25 जून को शाम 04 बजे से आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 26 जून को दोपहर 01 बजकर 24 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए 26 जून से गुप्त नवरात्र शुरू होगी।

गुप्त नवरात्र में इन बातों का रखें ध्यान

- इन नौ दिनों में मांसाहार, प्याज, लहसुन और अन्य तामसिक भोजन का सेवन बिल्कुल न करें।
- नवरात्र के दौरान बाल और नाखून काटने से बचें।
- चमड़े से बनी वस्तुओं जैसे बेल्ट, पर्स आदि का प्रयोग न करें।
- घर में शांति और सकारात्मक माहौल बनाए रखें।
- लड़ाई-झगड़े, बहस और अपशब्दों का प्रयोग बिल्कुल न करें।
- व्रती दिन में सोने से बचें।
- मन में किसी के प्रति बुरे विचार न लाएं।
- इन नौ दिनों में ब्रह्मचर्य का पालन करें।
- देवी की पूजा पूरे विधि-विधान से करें।
- पूजा सामग्री और विधि में किसी भी तरह की कमी न छोड़ें।
- स्त्री का अपमान भूलकर भी न करें।

मां की 8 भुजाएं, त्रिनेत्र क्यों हैं किस चीज का देते हैं संकेत

गुप्त नवरात्र 2025 आषाढ़ माह में 26 जून से शुरू हो रहे हैं। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। मां दुर्गा के हर रूप की अपनी विशेषता है। उनकी आठ भुजाएं हर दिशा से भक्तों की रक्षा करने का संकेत देती हैं जिनमें अलग-अलग अस्त्र और शस्त्र होते हैं।

माघ और आषाढ़ माह में मनाए जाते हैं। इस साल अषाढ़ के गुप्त नवरात्र 26 जून से शुरू हो रहे हैं। नवरात्र के 9 दिन मां के नौ रूपों की पूजा की जाती है। उन्हें अम्बे, जगदम्बे, शेरावाली, पहाड़ावाली विभिन्न नामों से पुकारा जाता है। मां दुर्गा ने ये 9 रूप अलग-अलग वजहों से लिए। हर रूप में वह भक्तों का कल्याण करती हैं। इन नौ दिनों में अखंड ज्योति जलाकर मां का ध्यान और आराधना करने से समस्त दुखों का नाश होता है। इस मौके पर चलिए जानते हैं उनके रूप में उनकी भुजाओं, त्रिनेत्र का क्या संकेत है।

मां दुर्गा के हैं 9 रूप

नवरात्रि में हर दिन मां दुर्गा के अलग रूप की पूजा की जाती है। उनके नौ रूप नौ महाविद्याओं को दर्शते हैं। प्रथम शैलपुत्री, दूसरा ब्रह्मचारिणी, तीसरा चंद्रघंटा, चौथा कूष्मांडा, पांचवां स्कंदमाता, छठवां कात्यायनी, सातवां कालरात्रि, आठवां महागौरी और नौंवा सिद्धिदात्री का रूप उन्होंने लिया है। हर रूप एक खास गुण और शक्ति का प्रतीक है।

शक्ति के बिना अधूरे हैं शिव

शिव और शक्ति एक-दूसरे के पूरक है। दोनों के मिलन से ही सृष्टि की रचना और संचालन होता है। शिव के बिना शक्ति निष्क्रिय हैं, और शक्ति बिना शिव के स्थिर नहीं हो सकते हैं। शिव जहां स्थिरता, ध्यान, और संहारक के रूप में जाने जाते हैं। वहीं, शक्ति, शिव की ऊर्जा है, जो ब्रह्मांड की रचना, पालन और संहार का कारण बनती हैं।

आठ दिशाओं से करती हैं रक्षा

मां दुर्गा की मूर्तियों में 8 हाथ दिखाए जाते हैं। हर हाथ में अलग-अलग अस्त्र और शस्त्र होते हैं, जो बुराई से लड़ने के प्रतीक के रूप में दिखाए जाते हैं। मां की अष्ट भुजाएं यह संकेत देती हैं कि वह अपने भक्तों की हर दिशा से रक्षा करती हैं। वह 'त्रिनेत्रधारी' भी कही जाती हैं। उनकी बाईं आंख चंद्रमा का प्रतीक है, जो शांति और प्रेम से परिपूर्ण है। दाईं आंख सूर्य का प्रतीक जो ऊर्जा और शक्ति देती है। वहीं, तीसरी आंख अग्नि का प्रतीक है, जो बुराई को नष्ट करने वाली ताकत का प्रतीक है।

मनरेगा में भ्रष्टाचार, जेसीबी से काम कराके 35 प्रतिशत कमीशन का हुआ खेल !

मनरेगा के कच्चा मिट्टी वर्क के भुगतान में कमीशन की बू, मामला जनपद चितरंगी का

सिंगरौली। जिले के चितरंगी जनपद पंचायत अंतर्गत लगभग 126 ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत कच्चा मिट्टी वर्क का काम जेसीबी के माध्यम से और कागजों में दिखा कर 7 करोड रुपए की हेरा फेरी करने का मामला जनपद पंचायत चितरंगी में देखने को मिल रहा है। इस पूरे खेल में चितरंगी मनरेगा प्रबंधक की संलिप्तता सामने आ रही है। कहा तो यह भी जा रहा है कि मनरेगा में 35 फ़ीसदी कमीशन लेकर फर्जी तरीके से बिल भुगतान किया जा रहा है।

मकसद साफ है कि मनरेगा के तहत होने वाले काम में ज्यादा से ज्यादा मजदूरों की भागीदारी रहे. लेकिन चितरंगी जनपद पंचायत में आने वाले 126 ग्राम पंचायत में खेल मैदान, मिट्टी बांध निर्माण, लघु तालाब कार्य कराया गया है. जहां निर्माण कार्य में मजदूरों की जगह जेसीबी मशीन का उपयोग किया गया.

जिसका समय-समय पर वीडियो और फोटो भी वायरल हुए।मामले की शिकायत ग्रामीणों ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से की। बावजूद इसके जेसीबी मशीन से काम होते रहें। इसके अलावा ग्राम पंचायत के निर्माण कार्यों के लिए लाई गई सामग्री जिसमें सीमेंट, लोहा, रेत, गिट्टी आदि सभी सामग्रियां गुणवत्ता विहीन खरीदी की गई। सूत्रों की माने तो मनरेगा के सहित अन्य सभी निर्माण कार्यों में अधिकारियों और वेंडरों को लेकर करीब 35 कमीशन पहुंच गया है। यह कमीशन 40 प्रतिशत तक पहुंच जाता है, जब सरपंच और सचिव मनरेगा योजना के तहत हो रहे कामों को मजदूरों से ना करा के मशीन और ट्रैक्टर का इस्तेमाल कर काम करते हैं। हालांकि इसके लिए सरपंच और सचिवों को मास्टर रोल में फर्जी मजदूरों का नाम लिखना पड़ता है। कई पंचों का कहना है कि सरपंच और सेक्रेटरी के चहेते मजदूर काम करें या ना करें उनका नाम मस्टर रोल में जरूर चढ़ाया जाता है और उन्हें भुगतान भी होता है। सूत्रों का दावा है कि चितरंगी मनरेगा प्रबंधक श्रवण तिवारी अधिकारियों के नाम पर सरपंच और सचिव से वसूली कर रहे हैं।

अधिकारियों के मकड़ जाल में शिकायते

मनरेगा का मकसद, मजदूरों को रोजगार देना. नियमों के मुताबिक मनरेगा में जो भी काम किया जाएगा उसे मजदूरों के द्वारा ही पूरा करना है. मशीन या उसके लिए किसी भी तरह की गाड़ी का इस्तेमाल नहीं करना है. लेकिन अधिकारियों को ऊपरी कमाई के लिए सरपंच और सचिवों को मशीनों से काम करने की खुली छूट रहती है। कई बार जेसीबी मशीन से काम होने की शिकायतें हुई लेकिन शिकायतें अधिकारियों की मकर जाल में घूमती रहती हैं। कोई कार्यवाही नहीं होती।

जनप्रतिनिधियों तक पहुंच रहा कमीशन

आए दिन चितरंगी जनपद पंचायत में मनरेगा सहित अन्य योजना के निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायतें होती रही हैं। लेकिन शिकायतों के बाद भी सचिवों का सिर्फ प्रभार छीना जाता है या फिर उन्हें दूसरे पंचायत में अटैच कर दिया जाता है। सूत्रों का दावा है कि पंचायत के कामों में जनपद पंचायत के छोटे और बड़े बाबू के साथ सीईओ, एसडीओ, उपयंत्री,सचिव,सरपंच सहित प्रदेश स्तर के जनप्रतिनिधियों का कमीशन रहता है। यदि सभी का कमीशन जोड़ दे तो यह करीब 35त्न पहुंच जाता है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि भौतिक रूप से काम की गुणवत्ता क्या होगी।

इनका कहना है

मनरेगा के कुछ कामों में मशीनरी उपयोग का प्रावधान रहता है, मजदूरों से पैसा मिलने की जानकारी आप द्वारा मिली है, जांच कर संबंधित सरपंच सचिव पर कार्यवाही की जाएगी।

मान सिंह सैयाम, सीईओ
जनपद पंचायत चितरंगी

नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस के आमंत्रण -पत्र में जिला पंचायत अध्यक्ष का नाम तक नहीं

4 जुलाई को जिले के सरई में आएंगे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, जिला प्रशासन की बड़ी चूक या राजनीतिक दबाव में की गई उपेक्षा

सिंगरौली। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 4 जुलाई को जिले के सरई तहसील मुख्यालय में आयोजित नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस में एक शशक्त नारी का अपमान होता हुआ दिखाई दें रहा है द्य इसे लोगो द्वारा जिला प्रशासन की बड़ी चूक या जानबूझकर राजनीतिक शाजिस मानी जा रही है।

दरअसल जिले के सरई स्थित शासकीय स्कूल प्रांगण में 4 जुलाई को नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस के आमंत्रण -पत्र में जिला पंचायत सिंगरौली की अध्यक्ष सुश्री सोनम सिंह का नाम ही नहीं छापा गया है द्य आमत्रंण -पत्र में अपना नाम नहीं होने पर जिला पंचायत अध्यक्ष सोनम सिंह ने सोसल मिडिया में जानकारी देते हुए जिला प्रशासन के इस निर्णय को दुःखद और दुर्भाग्य पूर्ण बताया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री तो सबके है वह राजनीति से ऊपर है। जबकि मै पूरे जिले की जिला पंचायत अध्यक्ष हूँ। लोकतंत्र में पंचायत की भूमिका महत्वपूर्ण है।

राजनीतिक शाजिस या जिला प्रशासन की उपेक्षा

नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस में एक जनप्रतिनिधि को दरकिनार करना या तो राजनीतिक शाजिस या जिला प्रशासन द्वारा उपेक्षित करना कहा तक न्यायोचित है। जबकि जिला पंचायत अध्यक्ष सोनम सिंह के नारी के साथ साथ जनजातीय समाज से भी आती है।

नगर निगम की महापौर का है नाम

जिला प्रशासन द्वारा मुद्रित कराये गए मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष एवं नगर पालिक निगम सिंगरौली की महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल का नाम छपा है। जो कि सरई क्षेत्र नगर निगम की सीमा से 60 किलोमीटर दूर हैद्यहालांकि महापौर श्रीमती अग्रवाल की राजनीतिक पृष्ठ भूमि भाजपा की रही है।

कांग्रेस पृष्ठभूमि की है जिला पंचायत अध्यक्ष

जानकारी के अनुसार जिला पंचायत अध्यक्ष सिंगरौली सुश्री सोनम सिंह कांग्रेस पृष्ठभूमि से आती है। जिससे शायद राजनीतिक शाजिस से आमंत्रण पत्र में नाम नहीं जोड़ा गया है द्य जिला पंचायत अध्यक्ष के नाम नहीं होने से राजनीतिक दलो के लोगो में चर्चा का बाजार गर्म हैद्य इस सम्बन्ध में जिले के कलेक्टर से बात करने संपर्क किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

ढोंगा जमीन धोखाधडी मामला

रजिस्टी लेखक आलोक व क्रेता से पूंछताछ की तैयारी, जारी हो रही नोटिस

जियावन थाने से हो रही जांच, गायब महिला के नाम जमीन की रजिस्टी का मामला

सिंगरौली। जियावन थाना अंतर्गत ढोंगा गांव की जमीन धोखाधडी का मामला तूल पकडता जा रहा है। मामले में जियावन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सर्विस प्रोवाइडर सह रजिस्ट्री लेखक आलोक द्विवेदी व क्रेता दादूलाल माझी से पूंछताछ की तैयारी है। इस संबंध में दोनों को पुलिस नोटस जारी कर थाने बुलाने की तैयारी में है। थाने से जांच शुरू होने के बाद सर्विस प्रोवाइडर की धडकन बढ़ गयी है वहीं क्रेता की नीद उडी हुई है। जांच के बाद इनके खिलाफ मामला दर्ज होना तय माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि देवसर तहसील के ग्रांव ढोंगा की एक एकड़ पैतिस ढिसमिल जमीन एक अन्य ऐसी महिला ने बेंच दी जिसके नाम जमीन थी ही नहीं। जिस महिला के नाम हकीकत में जमीन है वह पिछले करीब डेढ़ दशक से गायब है। भाई की जमीन हडपने के लिये भाई ने ही एक अन्य महिला को खडी कर भाई के हिस्से की जमीन भी अपने नाम रजिस्टी करा ली। जिस महिला को खडा किया गया हकीकत में उसका नाम सुकवरिया है। वह नौगई अपने मायके रहती है।

ऐसे रची साजिस

शिकायतकर्ता के मुताबिक आरोपी दादूलाल माझी एवं सर्विस प्रोवाइडर आलोक द्विवेदी ने महिला सुकवरिया को यह कहकर देवसर लाये की आधार कार्ड बनवा देंगे। इसी बहाने उपपंजीयक कार्यालय में उसका अंगूठा एवं फोटो खिचवा लिया। आरोपी महिला को सिखाया गया था कि उसको अपनी पहचान तिलरनिया के नाम से बताना है। इस प्रकार पूरी साजिस को अंजाम दिया गया। महिला को कई महीनों बाद भी आधार कार्ड नहीं मिला तो उसे भी अंदेशा हुआ की उसके साथ धोखा हो रहा है

धोखाधडी करने वालों पर दर्ज हो सकता है मामला

इस मामले में सर्विस प्रोवाइड एवं क्रेता कटघरे में आ रहे हैं। दोनों ने बेहद सातिर तरीके से घटना को अंजाम दिया है ऐसे में अब पुलिस ने जब मामले में जांच शुरू कर दी है तो दोनों पर मामला दर्ज होने का खतरा मडरा रहा है। जिसको लेकर दोनों की नीद उडी हुई है। इससे पहले दोनों सर्विस प्रोवाइड एवं क्रेता घटना को अंजाम देने के बाद भी बेखौफ थे इनका हौसला बढता जा रहा था पीडित दो साल से कई स्थानों पर शिकायत किया लेकिन उचित कार्यवही नहीं होने से वह भी निराश था अब जांच शुरू होने के बाद दो साल से न्याय के लिए भटक रहे पीडित को न्याय की उम्मीद जगी है।

रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क में बना जानलेवा गड्ढा

सिंगरौली। अनपरा मुख्य मार्ग पर स्थित शक्तिनगर थाने के ठीक समीप रेलवे क्रॉसिंग के पास, एक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो गई है। सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है और भारी बारिश के कारण जमा पानी ने इसे एक बड़े तालाब का रूप दे दिया है। यह स्थान अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। शक्तिनगर थाने से महज सिर्फ 20 मीटर की दूरी पर स्थित शक्तिनगर थाना यह खतरनाक गड्ढा मौत का कुआं सा प्रतीत हो रहा है। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश का पानी वहां भरकर दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है। स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों का कहना है कि यह स्थान कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। रात के समय जलजमाव में यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है कि सड़क है या पानी से भरा गड्ढा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपने एक दिवसीय प्रवास पर आयेंगे सिंगरौली

मुख्यमंत्री सरई में आयोजित शसक्त महिला एवं जन जाति गौरव सम्मेलन में होगे शामिल

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपने एक दिवसीय प्रवास पर सिंगरौली आयेगे। मुख्यमंत्री सरई में आयोजित शसक्त महिला एवं जन जाति गौरव सम्मेलन में शामिल होगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री 4 जुलाई को प्रातः 11ः50 बजे स्टेट हैगर भोपाल से वायुयान द्वारा रीवा एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेगे। दोपहर 12ः45 बजे रीवा एयरपोर्ट आगमन एवं दोपहर 12ः50 बजे हेलीकप्टर के माध्यम प्रस्थान दोपहर 1ः30 बजे सरई आगमन। मुख्यमंत्री सरई में आयोजित शसक्त महिला एवं जन जाति गौरव सम्मेलन में शामिल होगे साथ ही जिले को विभिन्न विकास कार्यो की सौगात देगे। मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे हेलीपैड सरई से कोतमा अनुपपुर के लिए प्रस्थान कर दोपहर 3ः30 बजे कोतमा पहुचेगे। मुख्यमंत्री कोतमा में आयोजित सभा मे शमिल होकर शांय 5 बजे कोतमा से एयरपोर्ट रीवा के लिए प्रस्थान करेगे। शायं 5ः45 बजे रीवा एयरपोर्ट आगमन एवं वायुयान के माध्यम से भोपाल के लिए प्रस्थान करेगे।

राज्यमंत्री एवं विधायकों ने मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों का लिया जायजा

सिंगरौली। मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन डॉ मोहन यादव का सिंगरौली जिले में स्थित अनुभाग देवसर अंतर्गत तहसील सरई में 4 जुलाई को आगमन हो रहा है। सभा स्थल पर की जा रही तैयारियों का जायजा लेने हेतु श्रीमती राधा सिंह राज्य मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास, विधायक देवसर राजेन्द्र मेश्राम, सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह सहित सरई नगर परिषद अध्यक्ष प्रमिला वर्मा, पूर्व विधायक सुभाष वर्मा, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष डॉ रावेंद्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण द्वारा तैयार किए गए हेलीपैड , मंच स्थल सहित पंडाल में की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया मौके पर उपस्थित जिला एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

संजीव कुमार साहा ने संभाला परियोजना प्रमुख का कार्यभार

एनटीपीसी विंध्याचल को मिला नया नेतृत्व

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में एक नई ऊर्जा, नई दिशा और नए संकल्प का संचार हुआ है। बते दिन 2 जुलाई को संजीब कुमार साहा ने परियोजना प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

एनटीपीसी में अपने 34 वर्षों के समर्पित सेवा अनुभव के साथ साहा एक कुशल प्रशासक, तकनीकी विशेषज्ञ और प्रेरणादायी नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात हैं। कोलकाता विश्वविद्यालय से विद्युत अभियंत्रण में स्नातक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पावर सिस्टम में परास्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद उन्होंने 1991 में एनटीपीसी में कार्य की शुरुआत की। श्री साहा ने फरक्का, बदरपुर, लारा, कहलगांव, तेलंगाना और विंध्याचल जैसे प्रतिष्ठित विद्युत संयंत्रों में अपनी सेवाएं दी हैं और हर स्थान पर प्रचालन एवं अनुरक्षण में श्रेष्ठता का परिचय दिया है। उनके नेतृत्व में कई परियोजनाओं ने नई ऊँचाइयों को छुआ है। उनके व्यापक अनुभव, तकनीकी दृष्टिकोण और दूरदर्शिता से अब एनटीपीसी विंध्याचल को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद है। श्री साहा के नेतृत्व में परियोजना प्रचालन, ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरणीय दायित्वों के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनकर उभरेगी।

हड़ताल 9 को, तैयारियों में जुटी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

सिंगरौली। आंगनवाड़ी सहायिका कार्यकर्ता यूनियन एटक म.प्र. की महासचिव कॉमरेड विभा पाण्डेय के नेतृत्व में जिले के बरगवां-देवसर-सरई-चितरंगी क्षेत्र में लगातार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की बैठक जारी है।

आगामी 9 जुलाई की हड़ताल मुकम्मल बनाने को लेकर जिले की शीला सिंह चंदेल, शीला मिश्रा, संगीता बैस, सुषमा सिंह, संतोष कुमारी, सरोज कुशवाहा, बेला सिंह, राबिया बानो सहित अन्य पदाधिकारी ने लगातार सेक्टर बॉयज बैठक आयोजित कर रही है। उक्ताशय की जानकारी ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस एटक के उप महासचिव कामरेड संजय नामदेव एवं सचिव कामरेड विभा पांडेय ने एक संयुक्त बयान में कहा कि इस बार 9 जुलाई की हड़ताल में फैक्ट्री पावर प्लांट्स और खदानों के मजदूरों के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका मध्यान्ह भोजन कमी पूरी मुस्तादी के साथ हड़ताल में शामिल होंगे और यह हड़ताल मुकम्मल होगी।

यहां शाम ढलते ही मर जाती है संवेदनाएं

जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर की कहानी, मरीजो के परिजनों की जुबानी

सिंगरौली। शाम ढलने के बाद जिला चिकित्सालय शह ट्रामा सेंटर में संवेदनाएं मर जाती हैं। दीवारों से टकराकर गूंजती मरीजों की चिक परिजनों के मदद की गुहार भी जिम्मेदारों के कान तक नहीं पहुंच पाती, नियमत खानापूर्ति कर अगले 24 घंटे के लिए बेखबर होने वाले चिकित्सक दुकानदारी में व्यस्त हो जाते हैं पीछे छूट जाती है अव्यवस्था और अथाह दर्द की कभी न खत्म होने वाली दास्तान।

ज्ञात हो कि वर्षो के अथक परिश्रम के बाद सिंगरौली जिले के सुसज्जित ट्रामा सेंटर की बात कर रहे हैं जहां पग-पग पर बीमार चेहरे हाथ जोड़कर ईश्वर का रूप कहे जाने वाले चिकित्सकों के इर्द-गिर्द मडराते नजर आते हैं। स्टाफ नर्सो के भरोसे अस्पताल की व्यवस्था का दम्भ भरने वाले चिकित्सक भर्ती मरीजों के दर्द की दास्तान मात्र अपने बंगले में या निजी क्लिनिको में ही सुन पाते हैं। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। मौसम के तीखे तेवर के बाद फैली जल जनित बीमारियों ने आम लोगों का जहां जीना दुश्वार कर दिया है। वहीं अस्पताल के चिकित्सक भर्ती मरीजों का इलाज करने से कतरने लगे हैं। इतना ही नहीं मरीज के परिजनों को यह सलाह देने से भी नहीं चूकते हैं कि यहां से अच्छा किसी अन्य अस्पताल में ले जाएं। या फिर 2 बजे के बाद मेरे क्लीनिक में लेकर आ जाना वही सही तरीके से इलाज हो पाएगा। ऐसे में यह माना जा सकता है कि अस्पताल के बीच निजी अस्पतालों के बीच जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों का अच्छा गत जोड़ माना जा रहा है और यहां तक की जिला चिकित्सालय में दलाली प्रथा तेजी से चल रही है जहां जिला चिकित्सालय कर ट्रामा सेंटर के चिकित्सा खुद सलाह देते हैं इस अस्पताल में चले जाओ वहीं हम आएंगे तो देखेंगे।

जिला चिकित्सालय शह ट्रामा सेंटर की बदहाल व्यवस्था पर ना तो कलेक्टर गंभीर दिखाई दे रहे हैं नहीं जिले के जनप्रतिनिधि। जबकि पिछले दिनों सिंगरौली विधायक जिला चिकित्सालय की बढ़ाहल व्यवस्था पर काफी नाराज थे और चिकित्सकों को हिदायत भी दिया था इसके बावजूद व्यवस्था में कोई सुधार देखने को नहीं मिल रहा है।

3 माह से फरार स्थाई वारंटी को विन्ध्यनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिंगरौली। विंध्यनगर थाना क्षेत्र के बनौली निवासी एक स्थाई वारंटी पुलिस को चकमा देकर जयंत क्षेत्र में छिप कर रहा था। जहां आज सोमवार को विंध्यनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विंध्यनगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि 3 माह से फरार आरोपी विनोद कुमार शाह पिता बाबूराम शाह निवासी बनौली थाना विन्ध्यनगरजिसके विरुद्ध न्यायालय बैढ़न से 6 मार्च को स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, वर्तमान में लुक छिपकर चौकी जयंत क्षेत्र तरफ रह रहा है । सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विन्ध्यनगर निरीक्षक अर्चना द्विवेदी द्वारा शीघ्र एक टीम बनाकर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु भेजा गया, जिसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जिसे न्यायालय के आदेश से जेल भेजा गया । थाना प्रभारी विन्ध्यनगर द्वारा कहा गया कि आगे भी इसी तरह की शख्त कार्यवाही आरोपियों, बदमाशों के खिलाफ जारी रहेगी ।

मुख्यमंत्री सिंगरौली को देंगे 503 करोड़ के निर्माण कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री सरई में करेंगे 503 करोड़ के 54 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 जुलाई को सिंगरौली जिले के सरई में हायर सेकण्डरी स्कूल परिसर में आयोजित जनजातीय और महिला सम्मेलन में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री सम्मेलन में सिंगरौली जिले को 503 करोड़ 9 लाख 19 हजार रुपए के 54 निर्माण कार्यों की सौगात देंगे। समारोह में मुख्यमंत्री 104 करोड़ 67 लाख 26 हजार रुपए की लागत के 20 निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री 398 करोड़ 41 लाख 93 हजार रुपए की लागत के 34 निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी करेंगे। इस संबंध में कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री संदीपनि हायर सेकण्डरी स्कूल चकरिया के नवनिर्मित भवन, विद्युत सब स्टेशन हरफरी, संदीपनि हायर सेकण्डरी स्कूल भवन हिरवाह का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री इसके साथ-साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, 8 सड़कों में डामरीकरण का कार्य, कालेज भवन बरगवां, लोक सेवा केन्द्र माड़ा और सरई तथा आयुष विंग के निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे।

कलेक्टर ने बताया कि समारोह में मुख्यमंत्री 34 निर्माण कार्यों का शिलान्यास करेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री 11 सड़कों का शिलान्यास करेंगे। इनका निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मेडिकल कालेज में 400 बिस्तर के अस्पताल भवन, एकल नलजल योजनाओं, नगर निगम सिंगरौली में सड़क निर्माण, नाली निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास करेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र चितरंगी के 13, विधानसभा क्षेत्र सिंगरौली के 25, विधानसभा क्षेत्र देवसर के 15 तथा विधानसभा क्षेत्र धौहनी के एक निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे।

रेलवे ट्रेक पर नजर आए सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर, लिखा -

हमारी मेट्रो निकल चुकी...

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान की फिल्म मेट्रो इन दिनों आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। रिलीज के दिन सारा ने अपनी और आदित्य रॉय कपूर की कुछ खास तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।

सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी और आदित्य रॉय कपूर की कुछ शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। किसी तस्वीर में सारा और आदित्य रेलवे ट्रैक पर बैठे पोज देते नजर आए, तो कहीं फिल्म के निर्देशक अनुराग बसु के साथ मस्ती करते दिखे। सारा ने अपनी इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, हमारी मेट्रो निकल चुकी है और अगला पड़ाव आपके नजदीकी थिएटर है। हर उम्र, हर स्टेज के लिए एक प्रेम कहानी। असली नाट्य अनुभव।सारा और आदित्य की जोड़ी को एक साथ देखकर फैंस ने कई दिलचस्प कमेंट किए हैं। एक फैन ने लिखा, ऐसा लग रहा है जैसे 20 की उम्र के हैं, एक और फैन ने लिखा, माशाअल्लाह, एक और फैन ने लिखा, स्क्रीन पर आपकी केमिस्ट्री देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता, एक और फैन ने लिखा, सबसे अच्छी जोड़ी एक और फैन ने लिखा, शानदार मेट्रो इन दिनों रोमांटिक ड्रामा और एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म को अनुराग बसु ने लिखा और निर्देशित किया है। इसे टी-सीरीज फिल्म्स और अनुराग बसु प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित किया गया है। यह 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन ए... मेट्रो का आध्यात्मिक सीक्वल है। फिल्म में समकालीन जोड़ों की कई दिल को छू लेने वाली कहानियां हैं। इसमें अनुपम खेर, नीना गुप्ता, दीपराज राणा, के के मेनन, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल और फातिमा सना शेख नजर आएंगे।

जल्द ही फ्लोर पर आएगी तृप्ति डिमरी-प्रभास की फिल्म स्पिरिट, संदीप रेड्डी वांगा के भाई ने किया कंफर्म

साउथ एक्टर प्रभास अपनी आगामी फिल्म स्पिरिट में निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम कर रहे हैं। यह उनकी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। फिल्म ने अपनी घोषणा के बाद से ही प्रशंसकों में उत्साह पैदा कर दिया है।

खबर के मुताबिक, हाल ही में अमेरिका में एक इवेंट के दौरान संदीप के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि फिल्म की शूटिंग सितंबर 2025 से शुरू होगी। स्पिरिट प्रभास और संदीप का पहला सहयोग है। इसमें प्रभास के किरदार के लिए खास स्टाइल में बदलाव की जरूरत होगी। इसलिए, संदीप ने प्रभास से पूरी तरह समय मांगा है। फिल्म को एक ही शेड्यूल में शूट करने की योजना है, ताकि कहानी और किरदार की गहराई बनी रहे। पहले खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण इस फिल्म का हिस्सा थीं, लेकिन शेड्यूल और समस्याओं के कारण उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसके बाद एनिमल फेम तृप्ति डिमरी को नई फीमेल लीड के रूप में चुना गया। तृप्ति की कास्टिंग को काफी सराहा जा रहा है। फिल्म की कहानी को अभी गुप्त रखा गया है। संदीप की यह फिल्म वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करेगी। स्पिरिट के अलावा प्रभास द राजा साब नाम की एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे, जो दिसंबर 2025 में रिलीज हो सकती है। यह फिल्म हल्की-फुल्की और मजेदार होगी। उनकी एक और फिल्म, जिसका नाम संभवत: फौजी है, निर्देशक हनु राघवपुडी के साथ है, जो देशभक्ति और ड्रामा पर आधारित हो सकती है।

स्पिरिट के साथ प्रभास और संदीप एक ऐसी फिल्म लाने की तैयारी में हैं, जो एक्शन और भावनाओं से भरपूर होगी। सितंबर में शूटिंग शुरू होने के साथ फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

सलमान खान की फिल्म गलवां की पहली झलक आई सामने, दमदार लुक में दिखे भाईजान

इस आगामी फिल्म का आज शुक्रवार 04 जुलाई को मोशन पोस्टर जारी किया गया है। भाईजान दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का मोशन पोस्टर जारी किया है। सलमान खान का चेहरा खून से लथपथ नजर आ रहा है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, गलवां वैली। सलमान खान की यह फिल्म सच्ची कहानी पर बनी है। फिल्म बैटल ऑफ गलवां के मोशन पोस्टर के साथ बताया गया है, यह जंग समुद्र तल से करीब 15 हजार फीट की ऊंचाई पर लड़ी गई थी। भारत ने बिना एक भी गोली चलाए यह सबसे खतरनाक जंग लड़ी थी। पोस्टर में सलमान खान की आंखों में देशभक्ति का जुनून देखा जा सकता है।

सलमान खान इस साल फिल्म सिकंदर में नजर आए, मगर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पाई। इसके बाद दबंग खान अब अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं, जिसका नाम है गलवां। सलमान खान की

खतरनाक अंदाज में नजर आए इब्राहिम अली खान, काजोल-पृथ्वीराज की 'सरजमीं' का ट्रेलर रिलीज

मेरे लिए सरजमीं की सलामती से बढ़कर मेरे लिए कुछ भी नहीं। इब्राहिम अली खान, काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन स्टारर 'सरजमीं' का ट्रेलर आज जारी हो गया है। पिछले दिनों रिलीज हुए फिल्म के टीजर की काफी चर्चा रही थी। अब एक हफ्ते बाद ही मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में इब्राहिम अली खान एकदम अलग और दमदार अंदाज में देखने को मिलेंगे।

ट्रेलर की शुरुआत में इब्राहिम अली खान पीछे से दिखाए जाते हैं। वो सेना की वर्दी पहने और हाथ में रिवॉल्वर लिए बर्फ पर चल रहे हैं। अचानक वो थक कर वहीं बैठ जाते हैं। इसके साथ ही एक वॉइस ओवर चल रहा है जिसमें कहा जाता है 'तुम्हें पता है कुछ घाव ऐसे होते हैं, जो तब तक नहीं मिटते हैं, जब तक उनकी याद नहीं मिट जाती है।' 2 मिनट 13 सेकंड के इस ट्रेलर में भरपूर एक्शन देखने को मिलता है। ट्रेलर से पता चलता है कि इब्राहिम अली खान फिल्म में काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन के बेटे हरमन का किरदार निभा रहे हैं।

फिल्म एक परिवार की कहानी है। जहां एक आर्मी ऑफिसर का बेटा किन्हीं परिस्थितियों में आतंकवादी बन जाता है। पिता आर्मी में और बेटा आतंकवादी, ऐसे में मां की ममता अपने बेटे से खत्म नहीं होती। फिल्म का प्लॉट काफी घिसा-पिटा मालूम होता है। ट्रेलर में पृथ्वीराज सुकुमारन और इब्राहिम अली खान के बीच जबरदस्त फेस ऑफ देखने को मिला है।

जिससे उम्मीद है कि फिल्म में दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। फिल्म के लिए इब्राहिम ने अपने फिजिक पर काफी मेहनत की है, जो उनके लुक में दिखता है। ट्रेलर में इब्राहिम के दो लुक सामने आए हैं, एक शेव्ड और एक बियर्ड वाला। ट्रेलर में काजोल एक बेटे की ममता में डूबी मां के किरदार में हैं। ट्रेलर का अंत भी काजोल के डायलॉग से होता है, जिसमें वो कहती हैं अपनों के खून से बढ़कर कुछ भी नहीं है। इस 2 मिनट 13 सेकंड के ट्रेलर में फिल्म की पूरी कास्ट को दिखाया गया है, जिसमें प्रमुखता सिर्फ काजोल, इब्राहिम और पृथ्वीराज सुकुमारन को ही दिखाया गया है।

एक हफ्ते में पस्त हुईं 'मां' और 'कन्नप्पा', तेज रफ्तार से दौड़ रही 'एफ1'

पहली बार हॉरर फिल्म में नजर आईं काजोल से एक बेहतर फिल्म की उम्मीद थी। लेकिन 'मां' उन उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरी नहीं उतरी है। इसका अंदाजा फिल्म की कमाई से ही लगा सकते हैं। बॉक्स ऑफिस पर सात दिन बिताने के बाद भी 'मां' की कमाई सिर्फ 26.65 करोड़ रुपए ही हो पाई है। गुरुवार को फिल्म का कलेक्शन सिर्फ 1.65 करोड़ ही रहा, जबकि बुधवार को ये कलेक्शन 1.85 करोड़ था। ऐसे में आज से 'मेट्रो इन दिनो' की रिलीज के बाद ये कलेक्शन और भी गिरने की संभावना है।

काजोल की फिल्म 'मां' और विष्णु मांचू की पैन इंडिया 'कन्नप्पा' को बॉक्स ऑफिस पर अब एक हफ्ते का समय पूरा हो चुका है। लेकिन एक हफ्ते में भी इन फिल्मों की कमाई काफी कम रही है। अब आज से सिनेमाघरों में 'मेट्रो इन दिनो' जैसी नई फिल्म आ रही है। जिसके बाद 'मां' और 'कन्नप्पा' को और भी नुकसान होने की संभावनाएं हैं। फिलहाल जानते हैं गुरुवार का दिन इन फिल्मों के लिए कैसा रहा।

पहली बार हॉरर फिल्म में नजर आईं काजोल से एक बेहतर फिल्म की उम्मीद थी। लेकिन 'मां' उन उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरी नहीं उतरी है। इसका अंदाजा फिल्म की कमाई से ही लगा सकते हैं। बॉक्स ऑफिस पर सात दिन बिताने के बाद भी 'मां' की कमाई सिर्फ 26.65 करोड़ रुपए ही हो पाई है। गुरुवार को फिल्म का कलेक्शन सिर्फ 1.65 करोड़ ही रहा, जबकि बुधवार को ये कलेक्शन 1.85 करोड़ था। ऐसे में आज से 'मेट्रो इन दिनो' की रिलीज के बाद ये कलेक्शन और भी गिरने की संभावना है।

विष्णु मांचू काफी हाइप क्रिएट करके एक पैन इंडिया फिल्म 'कन्नप्पा' लाए थे। लेकिन जब फिल्म रिलीज हुई तो पहले दिन 9.35 करोड़ की औसत कमाई के बाद फिल्म का कलेक्शन लगातार गिरता गया। जो भी फिल्म देखकर आया उसने बाकियों को न देखने की ही सलाह दी। यही कारण है कि सात दिनों में फिल्म का कलेक्शन 30.10 करोड़ तक ही पहुंच पाया है। गुरुवार को फिल्म ने 1.25 करोड़ की कमाई की, जबकि बुधवार को ये फिल्म सिर्फ 1.35 करोड़ तक ही पहुंच पाई थी।

विद्यार्थी पढ़ लिखकर मुरैना का नाम रोशन करें ,यही मेरी मंशा : सांसद तोमर

मुरैना। जिले के 4214 छात्रों को मिली 25-25 हजार रूपये लैपटॉप की राशि 75 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले छात्रों को जिला स्तरीय कार्यक्रम में किया सम्मानित मुरैना 4 जुलाई 2025/ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कुशाभाउ ठाकरे अंतराष्ट्रीय सभागार भोपाल से आज प्रदेश के 94 हजार बच्चों को लैपटॉप की राशि 25-25 हजार के मान से सिंगल क्लिक से हस्तांतरित की है। जिसमें मुरैना जिले के 4 हजार 214 छात्रों को भी यह राशि प्राप्त हुई है। मुरैना में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 में आयोजित हुए कार्यक्रम में मुरैना श्योपुर के सांसद श्री शिव मंगल सिंह तोमर ने कहा कि विद्यार्थी खूब पढ़ें-खूब बढ़ें, मुरैना का नाम रोशन करें यही मेरी मंशा है। उन्होंने मेधावी छात्रों को सम्मानित भी किया।इस अवसर पर कलेक्टर श्री अंकित

अस्थाना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, जिला शिक्षाधिकारी श्री सुधीर सक्सेना, डीपीसी श्री हरीश तिवारी सहित 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 10वीं एवं 12वीं के छात्र एवं विद्यालय के प्राचार्य सहित शिक्षक उपस्थित थे। सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि हम सबके लिये आज का दिन बड़ा ही गौरवशाली है कि मुख्यमंत्री द्वारा मुरैना जिले के 4214 छात्रों को 25-25 हजार रूपये लैपटॉप क्रय करने हेतु राशि हस्तांतरित की है। मुरैना जिले के 16 छात्रों ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है।जिनमें से 2 छात्रों को मुख्यमंत्री के हाथों से भोपाल में शुक्रवार को सम्मानित किया गया है।

यह मुरैना के लिए बड़े ही गौरव की बात है।उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ छात्र अपने जीवन में शारीरिक क्षमता को भी बढ़ाये।सांसद श्री शिव मंगल सिंह तोमर ने कहा कि मुरैना जिला प्रदेश में उत्कृष्ट स्थान पर रहे यही मेरी मनोकामना है,यह तभी संभव होगा जब बच्चे आगे बढ़ेंगे और उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे।उन्होंने कहा कि आज यह कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश के सभी जिलों में मंत्री एवं प्रभारी मंत्रीयों की मौजूदगी में एक साथ किया जा रहा हैं,यह बड़े ही प्रशंसा का विषय है।कार्यक्रम का संचालन डॉ राकेश कुमार शर्मा ने किया।

विद्युत वितरण कंपनियों की स्थिति में सुधार के लिए अभूतपूर्व कदम

प्रदेश के उन्नत शिक्षण संस्थाओं जैसे आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी, मेनिट एवं सीपीआरआई से भागीदारी की शुरुआत

भोपाल। ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और नॉलेज शेयरिंग के लिये आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी, मेनिट एवं सीपीआरआई से भागीदारी की शुरुआत की जा रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मण्डलोई की उपस्थिति में गुरुवार को इन संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ इस संबंध में सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किये। सम्मेलन में ऊर्जा कम्पनियों की तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों को अलग-अलग करने, वितरण नेटवर्क की योजना एवं ग्रिड स्थिरता, नवकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के इनवर्टर से रिएक्टिव पॉवर क्षतिपूर्ति, कृषि आधारित पम्प लोड एवं मौसमी मांग पूर्वानुमान, क्षति पहचान एवं मांग विश्लेषण के लिये डेटा एनालिसिस, आउटेज पूर्वानुमान और सम्पत्ति प्रबंधन के लिये एआई के उपयोग के संबंध में गहन विचार-विमर्श हुआ। प्रतिनिधियों ने विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिये संयुक्त अनुसंधान, फील्ड स्टडी और तकनीकी परियोजनाओं में काम करने में रुचि जताई। यह सम्मेलन बिजली वितरण क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव, शैक्षणिक ज्ञान और अनुसंधान क्षमताओं को एक साझा मंच पर लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सम्मेलन में एमडी एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी श्री अविनाश लवानिया और एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी श्री क्षितिज सिंघल ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

सोने की कीमतों में तेजी से पुराने आभूषण रिसाइकल करने का बढ़ा चलन

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में तेजी की वजह से आम उपभोक्ता वर्ग नया सोना खरीदने में सक्षम नहीं हैं। वे पुराने सोने के आभूषणों या फिर सिक्कों को रिसाइकलिंग कर नया आभूषण लेना या फिर कैश लेना पसंद कर रहे हैं। सोने की कीमतों में पिछले कुछ वर्षों में जोरदार तेजी देखने को मिली है, जो वर्तमान में भी जारी है। सोने-चांदी में आई इस तेजी की वजह वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा तनाव और आर्थिक अनिश्चितता रही है। उपभोक्ताओं ने सोने और चांदी में आई तेजी का फायदा कुछ दूसरी तरह से उठाया है। होलसेल गोल्ड ज्वेलरी एसोसिएशन के महेश बाफना बताते हैं कि सोने की कीमतों में तेजी की वजह से आम उपभोक्ता वर्ग नया सोना खरीदने में सक्षम नहीं हैं। वे पुराने सोने के आभूषणों या फिर सिक्कों को रिसाइकलिंग कर नया आभूषण लेना या फिर कैश लेना पसंद कर रहे हैं। यह चलन पिछले कुछ समय से देखा जा रहा है। जिसमें 20 प्रतिशत तक उपभोक्ता पुराने आभूषणों के बदलकर नए आभूषण खरीद रहे हैं। इसके अलावा, सोने के सिक्कों और बार को भी रिसाइकल कर आभूषण खरीदे जा रहे हैं। यह खरीदारी विशेषर उपभोक्ता भविष्य में अपने बच्चों की शादी ब्याह को देखते हुए कर रहे हैं, क्योंकि भविष्य में सोने की कीमतें और अधिक बढ़ने की संभावना है।

घरेलू बाजार में 11 प्रतिशत सोने की रिसाइक्लिंग

कारोबारियों का कहना है कि भारत में केवल 11 प्रतिशत घरेलू सोने की रिसाइक्लिंग होती है। बाकी सोना आयात के जरिए बाहर से आता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 में भारत में सोने की रिसाइक्लिंग 114.3 टन रही, जो 2023 में 117.1 टन से 2 प्रतिशत कम है।

सोने की रिसाइक्लिंग कीमत में उतार-चढ़ाव से जुड़ी है

झवेरी बाजार के अंबिका ज्वेलर्स के पराग जैन बताते हैं कि भारत में सोने की रिसाइक्लिंग सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से जुड़ा होता है। हम लगभग 40 प्रतिशत रीसाइकिल किए गए सोने का इस्तेमाल करते हैं। वर्तमान में सोने की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, जिसकी वजह से ग्राहक रिसाइकल करने के लिए आ रहे हैं। वहीं पुराने आभूषणों को बदलकर नई डिजाइन और एक आभूषण से दो हल्के आभूषण बनाने का विकल्प भी उनके पास होता है। देश में कई बड़े रिटेल ज्वेलरी ब्रांड आभूषण बनाने में रिसाइकल सोने का इस्तेमाल करते हैं। जिसमें मिया बाए तनिष्क, जॉय अलुकॉस सहित गोल्ड मालाबार डायमंड जैसी कंपनियां पर्यावरण को देखते हुए भी रिसाइकल गोल्ड का उपयोग करती हैं।

भारत में गोल्ड रिसाइकल में चुनौतियां

मुथूट एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ केयूर शाह बताते हैं कि सोने की रिसाइकल कारोबार में कई चुनौतियां है। यह कारोबार अभी देश में संगठित नहीं हुआ है, जिसकी वजह से उपभोक्ता अपने सोने के आभूषण जब रिसाइकल करते हैं, तो उसका उन्हें सही दाम नहीं मिल पाता। इसका कारण है कि रिसाइकल करने वाले असंगठित क्षेत्र में सोने की शुद्धता की सही जांच नहीं करते हैं। ऐसे में उपभोक्ता को नुकसान होता है। इसलिए जरूरी है कि सोने की रिसाइकल करने के समय उसकी शुद्धता की जांच सही प्रकार से हो। इसी को लेकर मुथूट ने गोल्ड पॉइंट शुरू किए हैं, जहां उपभोक्ताओं के लिए पारदर्शी तरीके से अपना सोना बेचने के लिए मंच तैयार किया गया है। यहां एक्आरएफ मशीनों के माध्यम से वैज्ञानिक तरीके से जांच कर गोल्ड लिया जाता है और उपभोक्ता को उसकी सही कीमत अदा की जाती है। यह महानगरों और टियर 2 व 3 शहरों में मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि सरकार पिछले कुछ वर्षों से सोने के आयात को कम करने के लिए काम कर रही है, जिसमें पुराने सोने का रिसाइकल करना मुख्य है। क्योंकि देश की लगभग 99 प्रतिशत मांग आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने निजी लोगों और मंदिरों के पास में 30,000 टन से अधिक सोने का अनुमान लगाया था। अगर इसका एक प्रतिशत भी रिसाइकल किया जाता है, तो इससे आयात में 30-40 प्रतिशत की कमी आएगी।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस सर्विसेज ऑपर्च्युनिटीज फंड

मुंबई। भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने आज अपनी नई थीमैटिक पेशकश ङ्क एक्सिस सर्विसेज ऑपर्च्युनिटीज फंड को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो सेवाक्षेत्र थीम पर आधारित है। इस फंड का नया फंड ऑफर 4 जुलाई 2025 से खुलकर 18 जुलाई 2025 तक निवेश के लिए उपलब्ध रहेगा। एक्सिस सर्विसेज ऑपर्च्युनिटीज फंड का उद्देश्य निवेशकों को उन कंपनियों के चुनींदा पोर्टफोलियो तक पहुंच प्रदान करना है, जो भारत की सेवाक्षेत्र आधारित आर्थिक बदलाव की अगुवाई कर रही हैं। यह फंड ऐसे व्यवसायों में निवेश करेगा जो स्केलेबल, कैपिटल-एफिशिएंट और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से मजबूत हैं, और जिनकी मुख्य आय सेवाओं पर आधारित होती है। फंड का प्रबंधन श्री श्रेयश देवळकर (हेड ङ्क इक्विटी), श्री सचिन रेळेकर (सीनियर फंड मैनेजर) और सुश्री कृष्णा नारायण (विदेशी निवेश के लिए) द्वारा किया जाएगा। एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ श्री बी. गोपकुमार ने कहा- ÷भारत का भविष्य अब सेवाक्षेत्र-आधारित विकास की ओर बढ़ रहा है, और इस सेगमेंट के लिए जो संरचनात्मक सहायक कारक हैं, वे गहरे और टिकाऊ हैं।

अब बिना शुल्क समय पूर्व चुका सकते हैं फ्लोटिंग दर वाले कर्ज

गैर-कारोबारी लोन पर 2026 से लागू होगा नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने बुधवार को सर्कुलर में कहा, समीक्षाओं में पता चला है कि एमएसई को कर्ज का पहले भुगतान करने पर ज्यादा शुल्क देना होता है। इससे कर्जदाता संस्थान और ग्राहकों में विवाद पैदा होता है। कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने लोन एग्रीमेंट में ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे उधार लेने वाला कम ब्याज या बेहतर शर्तों का लाभ उठाने के लिए अन्य संस्थान के पास नहीं जा सके।

अब प्रीपेमेंट के नाम पर भारी जुर्माना भरने से राहत मिलने वाली है। आरबीआई ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कहा है कि वे छोटे उद्यमों एवं व्यक्तिगत लोगों को दिए कर्ज पर समय से पूर्व भुगतान करने पर कोई शुल्क नहीं लगाएंगे। यह नियम एक जनवरी, 2026 के बाद लिए या नवीनीकरण कराए गए कर्जों पर लागू होगा। आरबीआई ने बुधवार को सर्कुलर में कहा, समीक्षाओं में पता चला है कि एमएसई को कर्ज का पहले भुगतान करने पर ज्यादा शुल्क देना होता है। इससे कर्जदाता संस्थान और ग्राहकों में विवाद पैदा होता है। कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने लोन एग्रीमेंट में ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे उधार लेने वाला कम ब्याज या बेहतर शर्तों का लाभ उठाने के लिए अन्य संस्थान के पास नहीं जा सके।?

इन संस्थानों पर लागू नया नियम

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए व्यक्तियों के फ्लोटिंग दर पर लिए?गए?कर्ज पर कोई प्री पेमेंट शुल्क नहीं लगेगा। नया नियम सभी वाणिज्यिक बैंकों (पेमेंट्स बैंकों को छोड़कर), सहकारी बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों पर लागू होगा। आरबीआई ने कहा, इन नियमों के अंतर्गत न आने वाले मामलों में कोई पूर्व-भुगतान शुल्क है तो उसे कर्ज स्वीकृति पत्र और उसके समझौते में स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। कोई भी अघोषित या पूर्व शुल्क की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि ऋणदाता खुद पूर्व भुगतान शुरू करता है तो कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

आंशिक या पूरा, नियम दोनों भुगतान पर लागू

केंद्रीय बैंक ने कहा, नया नियम दोनों तरह के भुगतान पर लागू होगा। चाहे कर्जदार कर्ज का आंशिक या पूरा भुगतान करे। साथ ही, पुनर्भुगतान के लिए इस्तेमाल धन का स्रोत चाहे जो भी हो। इसके लिए बैंक या वित्तीय संस्थान कोई न्यूनतम लॉक-इन अवधि भी नहीं रख सकते हैं। इसका उद्देश्य ऋण देने की प्रथाओं को मानकीकृत करना और वित्तीय संस्थानों के बीच असंगत नीतियों के कारण उत्पन्न होने वाली ग्राहकों की शिकायतों को कम करना है।

अमेरिका ने चीन को दी राहत, सॉफ्टवेयर निर्यात प्रतिबंध हटाया, व्यापार वार्ता के बाद नरम हुआ रुख

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को रहात देते हुए चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह कदम हाल ही में लंदन में हुई व्यापार वार्ता के तहत दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए उठाया गया है। सभी तीन प्रमुख चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर कंपनियों-सिनोप्सिस, कैडेंस और सीमेंस ने बताया कि उन्हें अमेरिकी वाणिज्य विभाग से मई में लगाए गए प्रतिबंधों के हटाए जाने की सूचना दी गई है। चीनी सरकारी समाजार एजेंसी शिन्हुआ की एक रिपोर्ट के अनुसार, तीनों कंपनियां चीन के इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (धष्ठ) बाजार के 70 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करती हैं।

प्रतिशोध का खेल

मई में जब बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात को सीमित करने का फैसला लिया था ,तब अमेरिका ने प्रतिशोध में चिप डिजाइनिंग टूल्स की बिक्री पर रोक लगाई थी। इसके बाद उस महीने की शुरुआत में जिनेवा में व्यापार युद्धविराम के बाद दोनों देशों के बीच तनाव फिर से बढ़ गया था।

चीन में बिक्री और समर्थन दोबारा शुरू

अमेरिकी कंपनी कैडेंस और सिनोप्सिस ने कहा है कि वे चीन में पहले प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर की पहुंच बहाल करने की प्रक्रिया में हैं। वहीं, सिनोप्सिस ने अपने सॉफ्टवेयर और तकनीक की पूरी पहुंच फिर से बहाल कर दी है और चीन में बिक्री और समर्थन दोबारा शुरू कर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार चिप-डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर या ईडीए सॉफ्टवेयर पर वाशिंगटन के निर्यात नियंत्रण से चीन के सेमीकंडक्टर उद्योग पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा क्योंकि वे नए माइक्रोचिप्स बनाने के लिए आवश्यक हैं।

इथेन निर्यात और अन्य कंपनियों को भी मिली अनुमति

एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी इथेन उत्पादकों को भी चीन को निर्यात फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। अमेरकी ऊर्जा सूचाना प्रशासन के आंकड़ों के आधार पर पिछले साल अमेरिका के इथेन निर्यात का लगभग 50त्न हिस्सा चीन को गया था। इस उपयोग मुख्य रूप से प्लास्टिक बनाने में किया जाता है। इसके अलावा, अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने अन्य कंपनियों के साथ-साथ जीई एयरोस्पेस को भी चीन को जेट इंजन की शिपमेंट फिर से शुरू करने के लिए कहा है। शुक्रवार को चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चीन अब इन प्रतिबंधित वस्तुओं की निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रिया की समीक्षा कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिका-चीन आर्थिक और व्यापार संबंधों के पारस्परिक लाभ को गंभीरता से समझेंगे और साथ मिलकर आगे बढ़ना जारी रखेंगे।

निर्यात के साथ अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार, भारतीय श्रमिकों की गतिशीलता में होगा इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। नए सौदे के तहत ब्रिटेन में तैनात भारतीय कामगारों को तीन साल तक के लिए राष्ट्रीय बीमा योगदान पर छूट का लाभ मिलेगा, जिससे वे अधिक बचत कर सकेंगे और संभावित रूप से अधिक पैसा घर वापस भेज सकेंगे। एफटीए में 2030 तक भारत और ब्रिटेन के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को दोगुना करने का वादा किया गया है। भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में पूरे हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से न केवल भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा बल्कि उच्च धन प्रेषण और घरेलू खर्च के जरिये भारत की अर्थव्यवस्था को भी समर्थन मिलेगा। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों में भारतीय श्रमिकों की गतिशीलता भी बढ़ेगी। 2024 में विदेश में काम करने वाले भारतीय कामगारों ने लगभग 130 अरब डॉलर की रकम भारत में भेजी थी। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद का 3.3 प्रतिशत है। अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के बाद ब्रिटेन इन रकम का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। नए सौदे के तहत ब्रिटेन में तैनात भारतीय कामगारों को तीन साल तक के लिए राष्ट्रीय बीमा योगदान पर छूट का लाभ मिलेगा, जिससे वे अधिक बचत कर सकेंगे। एफटीए में 2030 तक भारत और ब्रिटेन के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को दोगुना करने का वादा किया गया है। यह 2024 में 56.7 अरब डॉलर के व्यापार से अधिक है। अमेरिकी बाजार में चुनौतियों का सामना करने वाले भारतीय परिधान को ब्रिटेन के बाजार में बेहतर पहुंच से लाभ होने की उम्मीद है। ब्रिटेन के लिए यह समझौता भारत के तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग तक अधिक पहुंच प्रदान करता है। हालांकि, पेय क्षेत्र में तत्काल व्यापार लाभ दिखाई देगा, जहां व्हिस्की और जिन के 97 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ आधा रह जाएगा। इस सौदे में दवा निर्यात शामिल नहीं है, जिससे ब्रिटेन कुछ आर्थिक लाभ सीमित हो गए हैं। इस बात पर भी स्पष्टता की कमी है कि नई कोटा प्रणाली के तहत भारत को ब्रिटेन की कार निर्यात कैसे संचालित होगी।

स्टार फुटबॉलर डिओगो जोटा खेल और विज्ञापन से करते थे बंपर कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार फुटबॉलर डिओगो जोटा की मौत के बाद उनकी संपत्ति पर भी चर्चा छिड़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, डिओगो जोटा की कुल संपत्ति यानी नेट वर्थ करीब 12 मिलियन डॉलर से 20 मिलियन डॉलर (170.62 करोड़ रुपये) के बीच होने का अनुमान है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। लिवरपूल के स्टार डिओगो जोटा की स्पेन में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जोटा 28 साल के थे, तीन छोटे बच्चों के पिता थे। जोटा ने दो हफ्ते से भी कम समय पहले अपने लंबे समय के साथी रूटे कार्डसो से शादी की थी। जोटा के साथ कार में मौजूद उनके भाई, 26 वर्षीय आंद्रे की भी मौत हो गई। वे स्पेन के जमोरा में कार से यात्रा कर रहे थे, जब हादसा हुआ। बुधवार को आधी रात को हुई दुर्घटना का कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन पुलिस रिपोर्टों के अनुसार कार के पिछले टायरों में से एक के पंचर होने के बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया। डिओगो जोटा की मौत के बाद उनकी संपत्ति पर भी चर्चा छिड़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, डिओगो जोटा की कुल संपत्ति यानी नेट वर्थ करीब 12 मिलियन डॉलर से 20 मिलियन डॉलर (170.62 करोड़ रुपये) के बीच होने का अनुमान है।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि 10 माह के उच्च स्तर पर , नए कारोबार और निर्यात ऑर्डर में उछाल का असर

एचएसबीसी इंडिया में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए घरेलू ऑर्डर में अगस्त, 2024 के बाद सबसे तेज उछाल और नए निर्यात कारोबार में उल्लेखनीय तेजी से सेवा पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

मांग और बिक्री में जारी सुधार के बीच नए कारोबारी ऑर्डर में तेज उछाल के दम पर देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून, 2025 बढ़कर 10 महीने के उच्च स्तर 60.4 पर पहुंच गई। रोजगार सृजन में भी मजबूत विस्तार देखने को मिला। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस गतिविधि सूचकांक मई में 58.8 रहा था। एचएसबीसी इंडिया में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए घरेलू ऑर्डर में अगस्त, 2024 के बाद सबसे तेज उछाल और नए निर्यात कारोबार में उल्लेखनीय तेजी से सेवा पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। एशियाई, पश्चिम एशियाई एवं अमेरिकी बाजारों से आने वाली मांग में सुधार और घरेलू बाजार की निरंतर मजबूती से भी सेवा क्षेत्र की कंपनियों को लाभ हुआ। भंडारी ने कहा, सेवा क्षेत्र के निरंतर विस्तार का भर्तियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जून में लगातार 37वें महीने रोजगार बढ़ा है। मई की रिकॉर्ड भर्तियों से धीमी होने के बावजूद रोजगार वृद्धि की दर दीर्घकालिक औसत से आगे निकल गई।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी दुनिया की शीर्ष 2 प्रतिशत यूनिवर्सिटीज में हुई शामिल

लोबल-नेशनल रैंकिंग में छुई नई बुलंदी

नई दिल्ली, एजेंसी। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू) ने दुनिया की शीर्ष दो प्रतिशत में शामिल होकर प्रतिष्ठित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में प्रभावशाली 575वीं रैंक हासिल की है। सीयू ने इस सूची में शामिल होने के लिए 125 स्थान की छलांग लगाई है। इसके साथ ही देश में भी सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में भी सीयू 18वीं से बढ़कर 16वीं रैंक पर पहुंच गई है। भारत की निजी यूनिवर्सिटीज की रैंकिंग में भी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने पिछले वर्ष तीसरी रैंक से आगे बढ़कर दूसरी रैंक पर पहुंच गई है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 54 भारतीय यूनिवर्सिटीज को शामिल किया गया है। सीयू की नवीनतम रैंकिंग भारत और विश्व स्तर पर उच्च शिक्षा के अग्रणी संस्थान के रूप में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को रेखांकित करती है।

एम्प्लॉयर्स के बीच चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की प्रभावशाली प्रतिष्ठा को रेखांकित करते हुए सीयू ने पिछले वर्ष की तुलना में 'एम्प्लॉयर्स रेपुटेशन' में 172वीं रैंक से 25 स्थानों की छलांग लगाई और विश्व में 147वें स्थान पर पहुंचने में सफल रही। भारत में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को एम्प्लॉयर्स रेपुटेशन इंडिकेटर में 7वीं रैंक मिली है। पिछले साल की 26वीं रैंक की तुलना में 14 स्थानों की छलांग के साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क में भारत में 12वां स्थान हासिल किया है, जो अन्य शिक्षण संस्थानों के साथ रिसर्च साझेदारी बनाए रखने में यूनिवर्सिटी की सफलता को दर्शाता है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 4300 से अधिक पेटेंट फाइल किए हैं और देश की शीर्ष पांच रिसर्च गहन यूनिवर्सिटीज में शामिल रही है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को भारत

में पिछले वर्ष एकेडमिक रेपुटेशन में 14वें स्थान की तुलना में इस बार 13वां स्थान मिला है। एकेडमिक रेपुटेशन (एआर) संकेतक शैक्षणिक विशेषज्ञों से यूनिवर्सिटीज को उनकी विशेषज्ञता के विषय क्षेत्र के आधार पर नामित करने के लिए संस्थानों और उनके प्रोग्राम्स की रेपुटेशन को मापता है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू और विश्वविद्यालय के अधिकारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की सफलता का जश्न मनाते हुए। वर्ष 2004 में शुरू हुई क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग पिछले 20 वर्षों में 'वैश्विक पहचान' बन गई है, जिसने आज वैश्विक स्तर पर अकादमिक रैंकिंग के क्षेत्र में अधिकार और प्रामाणिकता की मुहर लगा दी है। क्यूएस रैंकिंग हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बेंचमार्क, जहां यूनिवर्सिटीज को एम्प्लॉयर रेपुटेशन, एकेडमिक रेपुटेशन, इंटरनेशनल एम्प्लॉयर रेश्यो, इंटरनेशनल स्टूडेंट्स रेश्यो, फैकल्टी-स्टूडेंट रेश्यो, साइटेशन पर फैकल्टी, रिसर्च एंड इनोवेशन, इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क और एम्प्लॉयर आउटकम सहित कड़े मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंक किया जाता है। इसके आधार पर स्टूडेंट्स अपनी अकादमिक और करियर की आकांक्षाओं के अनुसार दुनिया में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शैक्षणिक संस्थानों में से एक को चुनकर एडमिशन लेने के लिए सही निर्णय ले सकते हैं।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा तारा ऑफसेट प्रिंटर्स शेड नम्बर 2, बीडीए के सामने, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से मुद्रित एवं 87,पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)